आश्विन कृष्ण पक्ष द्वितीया संवत् 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 67 | पेज 8, मूल्य 2 रुपए

भोपाल 09 सितंबर 2025 मंगलवार

डाक पंजीयन क्रमांकः म.प्र./4-474/2024-26

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

युवा क्रांति जलता नेपाल

Page-7

कुर्सी छोड़ दुबई भागने की फिराक में ओली

राष्ट्रपति का निजी घर फूंका, पूर्व पीएम प्रचंड-देउबा के घर आगजनी

उपप्रधानमंत्री को सौंपी गई कामकाज की जिम्मेदारी

भारतीयों को सावधानी बरतने की दी गई सलाह

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में छात्रों के भारी विरोध प्रदर्शनों के बीच पीएम केपी शर्मा ओली दुबई भाग सकते हैं। नेपाली मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इलाज करवाने के लिए दुबई जा सकते हैं। नेपाली प्रधानमंत्री के दुबई जाने की संभावना को लेकर रिपोर्ट उस वक्त आई है, जब नेपाल में दर्जनों जगहों पर दूसरे दिन भी छात्रों का प्रदर्शन जारी है और हिंसा हो रही है। दूसरी तरफ नेपाल सरकार के गृहमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री और कृषि मंत्री समेत 10 मंत्रियों ने इस्तीफा दे दिया है, लेकिन प्रदर्शनकारी प्रधानमंत्री ओली का इस्तीफा मांग रहे हैं। प्रधानमंत्री ओली के करीबी सूत्रों के हवाले से उनके देश छोड़कर दुबई जाने को योजना की जानकारी सामने आ रही है।

दूसरी तरफ प्रदर्शनकारियों ने नेपाल के राष्ट्रपति के निजी आवास को फूंक दिया है। जबकि सरकार ने त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे (टीआईए) के कर्मचारियों को वीआईपी यातायात के प्रबंधन के लिए हाई अलर्ट पर रहने का निर्देश दिया है। माना जा रहा है कि लोगों के आक्रोश से बचने के लिए कई नेता देश छोड़कर फरार हो सकते हैं। टीआईए के एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया है कि एक अनौपचारिक निर्देश जारी किया गया है। यह संभावना है कि नेता, काठमांडू को असुरक्षित मानते हुए, यात्रा करने का प्रयास कर सकते हैं, जिससे वीआईपी यातायात बढ़ सकता है। इसलिए, कर्मचारियों को हाई अलर्ट पर रहने के लिए कहा गया है। रिपोर्ट के मुताबिक प्रधानमंत्री ओली को नेपाल से ले जाने के लिए एक निजी एयरलाइन, हिमालय एयरलाइंस, को स्टैंडबाय पर रखा गया है। बढ़ते राजनीतिक उथल-पुथल और कई मंत्रियों के इस्तीफों के बीच, ओली ने नेपाल से जाने से पहले उप-प्रधानमंत्री को कार्यकारी जिम्मेदारियां सौंप दी हैं। दूसरी तरफ पूर्व उप-प्रधानमंत्री के आवास पर भी पथराव किया गया है। प्रदर्शनकारी केपी ओली की पार्टी के नेता और पूर्व उप-प्रधानमंत्री रघुवीर महासेठ के जनकपुर स्थित आवास पर पथराव कर रहे हैं। देश भर में विरोध प्रदर्शन तेज होने के साथ तनाव बढ़ता जा रहा है।

ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष के आवास को भी प्रदर्शनकारियों ने फूंक दिया है। आपको बता दें कि नेपाल में केपी शर्मा ओली की सरकार नेपाल कांग्रेस के समर्थन से चल रही है। नेपाल में लोकतंत्र लागू होने के बाद से अभी तक किसी भी प्रधानमंत्री ने अपने पांच साल का कार्यकाल पूरा नहीं किया है। नेपाल में किसी भी पार्टी को पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हो पाई है। रिपोर्ट के मुताबिक, प्रदर्शनकारी सत्तारूढ़ पार्टी के नेता और नेपाली कांग्रेस अध्यक्ष शेर बहादुर देउबा के आवास पर पहुंच गए और वहां कब्जा कर लिया। स्थिति हिंसक होने के बाद प्रदर्शनकारियों ने उनकी संपत्ति में आग लगा दी। इसके अलावा कम से कम आधा दर्जन वाहनों को भी आग के हवाले कर दिया गया है।

10 मंत्रियों का इस्तीफा

नेपाली मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सोमवार को हुए खूनी प्रदर्शनों के बाद मंगलवार को भी देश की राजधानी काठमांडू और आसपास के जिलों में हालात बेकाबू हैं। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली की सरकार को 26 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर लगाया गया प्रतिबंध हटाना पड़ा, लेकिन तब तक हालात हाथ से निकल चुके थे। कम से कम 19 लोगों की अभी तक मौत होने की रिपोर्ट है और 300 से ज्यादा के घायल हैं। पुलिस की तरफ से फायरिंग ने युवाओं को गुस्से में भर दिया है और अब उन्हें केपी शर्मा ओली के इस्तीफे से कम कुछ मंजूर नहीं है। प्रतिबंधों और पुलिस फायरिंग के बावजूद छात्र-युवाओं का आक्रोश थमने का नाम नहीं ले रहा। आंदोलन सिर्फ सोशल मीडिया बैन तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह भ्रष्टाचार, बदइंतजामी और लोकतांत्रिक अधिकारों के दमन के खिलाफ एक व्यापक नागरिक असंतोष में बदल गया है।

सिंगल विंडो

प्रत्यक्ष प्रणाली से चुने जाएंगे नगर पालिका अध्यक्ष

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मोहन यादव कैबिनेट ने प्रदेश के नगरीय निकायों में अध्यक्ष का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से किए जाने को मंजूरी दे दी है। इसके बाद जनता सीधे वोट डालकर उनका चयन करेगी। पूर्ववर्ती कमलनाथ सरकार ने पार्षदों के माध्यम से अध्यक्ष चुनने की व्यवस्था लागू की थी, जिसे बदल दिया गया है। अगले चुनाव से यही सिस्टम लागू होगा। सरकार की मंशा है कि इससे नगर परिषद अध्यक्षों को बार-बार अविश्वास प्रस्तावों का सामना न करना पड़े।

हिमाचल में भूस्खलन, कुल्लू में घर ढहे, 1 की मौत

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश में मॉनसून का कहर लगातार जारी है। बीती रात कुल्लू जिला के निरमंड उपमंडल की ग्राम पंचायत घाटू के शर्मानी गांव में भूस्खलन से बड़ा हादसा हो गया। रात करीब 1.30 बजे हुए इस हादसे में दो मकान पूरी तरह जमींदोज हो गए। हादसे में एक महिला की मौत हो गई है, जबकि चार लोग अब भी मलबे में लापता बताए जा रहे हैं और उनकी तलाश जारी है। तीन लोगों को ग्रामीणों ने जीवित निकालकर अस्पताल पहुंचाया है। एसडीएम निरमंड मनमोहन सिंह ने घटना की पुष्टि की है। मृतका की पहचान ब्रेसती देवी पत्नी शिव राम के रूप में हुई है। वहीं चुन्नी लाल, अंजू, जागृति और पुपेश मलबे में दबे हुए हैं। ग्रामीणों ने धर्मदास, उनकी पत्नी कला देवी और शिव राम को घायल अवस्था में निकालकर निरमंड अस्पताल पहुंचाया।

उपराष्ट्रपति पद के लिए मतदान, मोदी ने डाला पहला वोट, नतीजे शाम तक

नईदिल्ली, एजेंसी

भारत का अगला उपराष्ट्रपति कौन होगा, इसका फैसला आज शाम तक हो जाएगा। सुबह 10 वोटिंग शुरू हुई, जिसका सिलसिला शाम 5 बजे तक जारी रहेगा। इसके बाद परिणाम आएगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले वोट किया है। सत्ताधारी एनडीए गठबंधन की ओर से सीपी राधाकृष्णन और विपक्ष के इंडिया अलायंस की ओर से बी सुदर्शन रेड्डी उम्मीदवार हैं। आंकड़ों के लिहाज से एनडीए का पलड़ा सबसे भारी दिख रहा है। हालांकि कुछ दलों ने इस चुनाव से अपने आपको बाहर कर लिया है।

भाजपा सांसद अनुराग ठाकुर ने कहा, संख्या एनडीए उम्मीदवार के पक्ष में है। हमारे सांसदों की संख्या 422 से ज़्यादा है। जरूरी संख्या सिर्फ 394 है। इसलिए, हमें अन्य पार्टियों से भी ज़्यादा वोट मिलने की उम्मीद है। संभावना है कि हमारे उम्मीदवार के पक्ष में क्रॉस वोटिंग हो। एनडीए उम्मीदवार राधाकृष्णन ने उपराष्ट्रपति चुनाव से पहले सुबह लोधी रोड स्थित श्रीराम मंदिर में पूजा-अर्चना की।

नैतिक तौर से जीत हमारी है: कांग्रेस

उपराष्ट्रपति चुनाव पर कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने कहा, यह चुनाव देश के लिए महत्वपूर्ण हैं। सांसद रेणुका चौधरी ने कहा, हमारे लिए आज बहुत अहम दिन और अहम मौका है। एक दक्षिण का इंसान जिन्होंने जज होते हुए बहुत महत्वपूर्ण फैसले लिए, वह मैदान में है। हार-जीत अलग चीज है, लेकिन नैतिक तौर से जीत हमारी है। समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा, पूरा देश जानता है कि भाजपा इस्तेमाली पार्टी है। पहले इस्तेमाल करो फिर बर्बाद करो...जीत का नंबर हमारे पक्ष में आएगा।

श्रमिक परिवारों के खाते में 175 करोड़ ट्रांसफर

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज मंत्रालय से संबल योजना अंतर्गत, अनुग्रह सहायता के 7953 प्रकरणों में 175 करोड़ रुपए सिंगल क्लिक से हितग्राहियों के खातों में ट्रांसफर किए। इस मौके पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास एवं श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल भी उपस्थित रहे। संबल योजना, प्रदेश में असंगठित क्षेत्र में कार्यरत लाखों श्रमिकों के लिए महत्वपूर्ण योजना है। अनुग्रह सहायता के अंतर्गत दुघर्टना में मृत्यु होने पर 4 लाख रुपए एवं सामान्य मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए प्रदान किये जाते हैं। इसी प्रकार स्थायी अपंगता पर 2 लाख रुपए एवं आंशिक स्थायी अपंगता पर 1 लाख रुपए और अंत्येष्टि सहायता के रूप में 5 हजार रुपए प्रदान किये जाते हैं। महिला श्रमिक को 16 हजार, श्रमिकों के बच्चों को महाविद्यालय शिक्षा प्रोत्साहन योजना में उच्च शिक्षा का सम्पूर्ण शिक्षण शुल्क राज्य सरकार द्वारा वहन किया जाता है।

नवाचार करने वाले दीपक को जनसम्पर्क आशीष को मिली सिंहस्थ की जिम्मेदारी

भोपाल, दोपहर मेट्रो

लंबे इंतजार के बाद सोमवार देर रात सरकार ने 14 आइएएस अधिकारियों के तबादले कर दिए। जैसी कि सम्भावना थी , जनसंपर्क आयुक्त के रूप में बेहतर काम को देखते हुए डॉ. सुदाम खाड़े को इंदौर कमिश्नर बनाया गया है। यहां के कलेक्टर आशीष सिंह अब उज्जैन के कमिश्नर होंगे। उनके स्थान पर इंदौर नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा को कलेक्टर बनाकर विश्वास जताया गया है। जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना अब जनसंपर्क आयुक्त होंगेऔर माध्यम के प्रबंध संचालक का अतिरिक्त दायित्व भी संभालेंगे। सिंहस्थ 2028 की तैयारियों को देखते हुए इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह को मेला अधिकारी का अतिरिक्त प्रभार देकर संकेत दिए गए थे कि उनकी आगामी भूमिका कमिश्नर के रूप में होगी। उन्हें विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी सह आयुक्त पदस्थ किया गया है। आर्थिक गतिविधियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण इंदौर संभाग का दायित्व सचिव एवं आयुक्त जनसंपर्क सुदाम खाड़े को दिया है। अब तक इंदौर के संभागायुक्त रहे दीपक सिंह को मध्य प्रदेश राज्य निर्वाचन आयोग का सचिव बनाया गया है। जबलपुर जिले में कई नवाचार करने वाले कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना पर मुख्यमंत्री ने भरोसा जताते हुए उन्हें जनसंपर्क का दायित्व सौंपा है। सक्सेना पहले भोपाल में पदस्थ रहे हैं और मीडिया के लोगों से उनका बेहतर तालमेल माना जाता है। उनके स्थान पर आगर मालवा के कलेक्टर राघवेंद्र सिंह को जबलपुर भेजा गया है। राज्य निर्वाचन आयोग के सचिव अभिषेक सिंह को गृह विभाग का सचिव बनाया गया है। कटनी कलेक्टर दिलीप यादव अब इंदौर ननि आयुक्त के साथ अपर प्रबंध संचालक मेट्रो रेल होंगे। बड़वानी कलेक्टर गुंचा सनोबर को उप सचिव तो मुख्य सचिव कार्यालय में पदस्थ उप सचिव आशीष पाठक को कटनी, उज्जैन जिपं सीईओ जयति सिंह को कलेक्टर बड़वानी, जबलपुर ननि आयुक्त प्रीति यादव को कलेक्टर आगर मालवा, डा. परीक्षित संजयराव झाड़े को सीईओ इंदौर विकास प्राधिकरण और रामप्रकाश अहिरवार को आयुक्त नगर निगम जबलपुर बनाया।

मेट्रो एंकर

आज होगी ग्रैंड लॉचिंग, कम स्टोरेज और नॉर्मल मॉडल की भारत में होती है ज्यादा बिक्री

आईफोन 17 में काला रंग-128 जीबी स्टोरेज है पहली पंसद

नईदिल्ली, एजेंसी

एपल आज आईफोन 17 सीरीज के चार मॉडल लॉन्च करने वाली है । इससे पहले कुछ दिलचस्प जानकारी सामने आई है। इसके अनुसार भारत के लोगों को काले रंग का आईफोन सबसे अधिक पसंद है। भारत में आईफोन खरीदार अब महंगे और प्रीमियम मॉडल की बजाय सादगी वाले डिवाइस चुन रहे हैं। सितंबर 2024 से अगस्त 2025 तक हुई आईफोन की बिक्री से पता चलता है कि भारतीय काले रंग और 128 जीबी स्टोरेज वाले फोन को सबसे ज्यादा पसंद कर रहे हैं। भारतीय कस्टमर अपने बजट को ध्यान में रखते हुए आईफोन खरीद रहे हैं।

क्रोमा के आंकड़े बताते हैं कि काला रंग का आईफोन खरीदारों की सबसे पहली पसंद है। कुल बिक्री में इस रंग के फोन की बिक्री का हिस्सा 26.2 फीसदी है। इसके बाद नीला रंग लोगों का फेवरेट है, बिक्री में इसका हिस्सा 23.8 फीसदी है। सफेद रंग का सेल में 20.2 फीसदी हिस्सा है। इसका मतलब काले रंग के आईफोन ज्यादा बिकते हैं। भारतीय ग्राहकों को सबसे अधिक वह आईफोन लुभा रहा है, जिसका स्टोरेज 128 जीबी है। यह कुल बिक्री का करीब एक-तिहाई हिस्सा है। 256 जीबी स्टोरेज वाले मॉडल की बिक्री में 24.4 फीसदी हिस्सेदारी है। जबकि 512 जीबी और 1 जीबी के स्टोरेज वाले आईफोन की बिक्री एक फीसदी भी नहीं है, इससे भी कम है। क्रोमा के एक प्रवक्ता ने कहा कि आंकड़े दिखाते हैं कि भारत के रहने वाले आईफोन खरीदार बहुत समझदार हैं। वे एप्पल का अनुभव चाहते हैं, लेकिन बजट का भी ध्यान रखते हैं। कम स्टोरेज और नॉर्मल मॉडल की ज्यादा बिक्री इस बात का सबूत है। भारत के राज्यों में महाराष्ट्र आईफोन की बिक्री में सबसे आगे रहा। 25 फीसदी खरीदार अकेले महाराष्ट्र के हैं। इसके बाद गुजरात 11 फीसदी और दिल्ली 10 फीसदी हिस्सेदारी के साथ दूसरे और तीसरे नंबर पर रहे।

बेस मॉडल सबसे ज्यादा बिके

क्रोमा का डेटा ही बताता है कि भारतीय बाजार में बेस मॉडल की बिक्री प्रो मॉडल के मुकाबले में कहीं ज्यादा है। कुल सेल का 86 फीसदी हिस्सा तो नॉन-प्रो मॉडल का ही है। प्रो मॉडल की हिस्सेदारी केवल 14 फीसदी रही है। आईफोन 16, आईफोन 16 प्रो और आईफोन 16 ईजैसे स्टैंडर्ड साइज के फोन की बिक्री 87 फीसदी से ज्यादा रही। इसके अलावा, बड़े डिस्प्ले वाले प्लस और प्रो मॉडल की सेल में हिस्सेदारी सिर्फ 12.5 फीसदी थी। भारतीय खरीदार महंगे और बड़े फोन की बजाय किफायती और नॉर्मल साइज के फोन खरीद रहे हैं।

आज का कार्टून

सड़क पर गड्डे, वाहन चालक को हो रहे परेशानी

भोपाल। लगातार हो रही बारिश तो थम गई, लेकिन लोग अब सड़क पर हुए गड्डों से परेशान हो रहे है। उनकी मांग है कि इन्हें जल्द भरा जाना चाहिए।

वेस्टर्न बाइपास में 12 किमी लंबे कैचमेंट का पेच

बड़े तालाब के कैचमेंट से गुजरेगा 3000 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट

70 नालों को करेगा प्रभावित, सीहोर की तरफ से तालाब में पानी की आवक बाधा

भोपाल, दोहपर मेट्रो

वेस्टर्न बाइपास में 12 किमी लंबे कैचमेंट का पेच आ गया है। सीहोर की तरफ से बड़ा तालाब में पानी की आवक में बाइपास बाधक बनेगा। इस स्थिति को कैसे टाला जाए इस पर एमपीआरडीसी की टीम काम कर रही है। 3000 करोड़ रुपए के इस प्रोजेक्ट में 70 नालों को बचाना है। रोजाना ही एमपीआरडीसी की टीम संबंधित विभागों के सदस्यों के साथ निरीक्षण कर रही है। बताया जा रहा है कि इस नए अलाइनमेंट में भी बदलाव की कोशिश है। समसगढ़ के पास वन क्षेत्र था, अब कैचमेंट-करीब 41 किमी के इस बाइपास को पहले मंडीदीप के आगे इटायाकलां से शुरू होकर फंदा जोड तक इसे तय किया था। इस पर विवाद और विरोध हुआ तो 11 मील से प्रतापपुरा से इंदौर रोड पर फंदा जोड से आधा किमी आगे इसे मिलाया गया। इससे 42 किमी का रूट अब 38 किमी हो गया है। इसके तहत छह लेन का बाइपास तय करना है। बताया जा रहा है कि नया रूट रातापानी बफर जोन से बाहर है, लेकिन अब ये पूरी तरह बड़ा तालाब कैचमेंट में आ गया है। इसमें 12 अंडरपास वाइल्ड लाइफ के लिए बनना तय किया, लेकिन बड़ा तालाब में कैचमेंट के पानी की आवक की बाधा कैसे रोकेंगे? ये बड़ा सवाल बनकर सामने खड़ा है।

ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस-वे समेत तीन प्रस्ताव

इस स्थिति के बीच एमपीआरडीसी ने सरकार के समय आष्टा के पास से होते हुए ग्रीन फील्ड एक्सप्रेस वे के प्रस्ताव को भी फिर से जीवित किया। इसके अतिरिक्त दो अन्य प्रस्ताव तय कर शासन को भेजे हैं। यदि यह बाइपास रद्द होता है तो इन नए प्रस्तावों पर काम किया जा सकता है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि बाइपास की डिजाइन व ले-आउट बदला गया है। इसमें जो स्थितियां सामने आ रही हैं उन्हें लेकर सर्वे-निरीक्षण कर रहे हैं। हमारी कोशिश है कि सभी एजेंसियों से मिलकर मामले को जल्द निराकृत करें।

दो प्रोजेक्ट एक साथ, दोनों पर्यावरणीय दिक्कत में

तत्कालीन शिवराज सिंह सरकार ने विधानसभा चुनाव के ठीक पहले वीआइपी रोड चौड़ीकरण और वेस्टर्न बाइपास प्रोजेक्ट को मंजूरी दी थी। करीब सात हजार करोड़ रुपए के प्रोजेक्ट से शहर के विकास की उम्मीद बनी थी, लेकिन वीआइपी रोड केंद्रीय वेटलैंड अथॉरिटी में उलझ गया, जबकि वेस्टर्न बाइपास भी फॉरेस्ट व कैचमेंट के मामलों में उलझा हुआ है।

डीपीसी के लिए 21 सितंबर को परीक्षा, अब तक सूची स्पष्ट नहीं

भोपाल समेत कई जिलों में डीपीसी पद खाली

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

प्रदेश में लंबे से प्रभारी के भरोसे चल रहे जिला परियोजना समन्वयक के पदों पर प्रतिनियुक्ति को लेकर प्रक्रिया उलझती नजर आ रही है। राज्य शिक्षा केंद्र अब तक आवेदन की संख्या और सूची को लेकर भी स्थिति स्पष्ट नहीं कर सका है। इसी बीच अब एक बार फिर परीक्षा की तारीख बढ़ाकर 21 सितंबर कर दी गई है।

पूर्व में परीक्षा की तिथि 20 अगस्त को आयोजित की गई थी। बता दें कि वर्तमान में भोपाल डीपीसी का पद खाली है। इसी तरह भोपाल समेत कई जिलों में डीपीसी के पद खाली है। अब इन पदों को भरने तथा भविष्य में

खाली होने वाले पदों को लेकर राज्य शिक्षा केंद्र भर्ती परीक्षा आयोजित कर रहा है। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर प्रतिनियुक्ति पर आने के इच्छुक स्कूल शिक्षा विभाग के प्राचार्य हाई स्कूल, व्याख्याता एवं उच्च माध्यमिक शिक्षा संवर्ग के आवेदन पत्र आमंत्रित किये गए थे, जिसके लिए 31 जुलाई अंतिम तिथि निर्धारित की गई थी। जिला परियोजना समन्वयक के लिए आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष तक निर्धारित की गई है। इन अभ्यर्थियों का बीएड होना अनिवार्य है। आयु सीमा 1 जनवरी 2025 को 56 वर्ष से अधिक नहीं होना चाहिए। जिला परियोजना समन्वयक के पद पर पदस्थापना मप्र के किसी भी जिले में की जा सकती है।

एमसीयू के सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों में अब 15 सितम्बर तक प्रवेश

विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के लिए अंतिम तिथि में वृद्धि की

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय के एम.पी. नगर स्थित परिसर में कंप्यूटर, मीडिया और योग विषयों के सांध्यकालीन पी.जी. डिप्लोमा में प्रवेश अब 15 सितम्बर तक होंगे। विद्यार्थियों के सुविधा के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने प्रवेश के लिए अंतिम तिथि में वृद्धि की है। किसी भी विषय में स्नातकोत्तर (पीजी) कर रहे विद्यार्थी अंशकालीन-सांध्यकालीन पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते है। वर्ष 2025-26 अकादमिक सत्र के लिए अभी प्रवेश जारी है। विश्वविद्यालय द्वारा योगिक स्वास्थ्य प्रबंधन (योग), सोशल मीडिया मैनेजमेंट, फिल्म जर्नलिज्म, मोबाइल जर्नलिज्म, ग्रामीण पत्रकारिता, वीडियो प्रोडक्शन, इवेंट मैनेजमेंट, ड्रामा एंड एक्टिंग एवं सायबर सिक्योरिटी में पी.जी. डिप्लोमा कोर्स संचालित किये जा रहे हैं। विस्तृत जानकारी हेतु विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विजिट करें या मोबाईल नंबर 7974265226, 9827555014 पर सम्पर्क कर सकते है। विद्यार्थी वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

नेशनल लोक अदालत का आयोजन 13 सितंबर को

भोपाल. लोक अदालत से पक्षकारों के मध्य आपसी सद्भाव बढ़ता है, कटुता मिटती है। समय, धन और श्रम की बचत होती है। कोई भी पक्षकार हारता नहीं है, दोनों पक्षकारों की जीत होती है। यह बात प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास्तव ने 13 सितंबर को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कही। इस साल की तीसरी नेशनल लोक अदालत के प्रचार-प्रसार के लिए प्रचार वाहनों को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश मनोज कुमार श्रीवास्तव ने जिला न्यायालय भोपाल से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्रचार वाहनों द्वारा नेशनल लोक अदालत की जिंगल्स एवं लेक्स बैनर के माध्यम से नेशनल लोक अदालत का प्रचार-प्रसार भोपाल के विभिन्न शहरी व सुदूरवर्ती ग्रामों में किया जाएगा। इस मौके पर जिला न्यायाधीश संजय कुमार शाही, जिला न्यायाधीश संतोष कौल, मुय न्यायिक मजिस्ट्रेट अग्नीन्ध कुमार द्विवेदी, महासचिव मनोज श्रीवास्तव सहित अन्य मौजूद रहे।

10 हजार से अधिक शिक्षक गैर शैक्षणिक कार्यों में लगे, स्कूलों में पढ़ाई प्रभावित

भोपाल। स्कूल शिक्षा विभाग में पर्याप्त शिक्षक होने के बावजूद उन्हें गैर शैक्षणिक कार्यों में लगाने से कई स्कूल शिक्षकों की कमी से जूझ रहे हैं। प्रदेश में बड़ी संख्या में ऐसे सरकारी स्कूल है, जो एक शिक्षक के भरोसे चल रहा है। वहीं कई स्कूलों में प्राचार्य नहीं है, इस कारण प्रभारी प्राचार्य प्रबंधन का कार्य देख रहे हैं। विभागीय जानकारों के अनुसार, वहीं प्रदेश के करीब 10 हजार शिक्षक पढ़ाना छोड़कर गैर शैक्षिणक कार्य में लगे हैं। कई शिक्षक विभागीय कार्यालयों में बाबूगिरी कर रहे हैं। वहीं बड़ी संख्या में शिक्षकों को बीएलओ, डीपीआई, राज्य शिक्षा केंद्र सहित अन्य कार्यालयों में लगा रखा है। वहीं शिक्षकों को भी कार्यालयों में कार्य करना ज्यादा पसंद है। कई शिक्षक जो मंत्री, विधायक या अन्य विभागीय कार्यालयों में कार्य कर रहे हैं, वे अब अपने मूल संस्था में लौटना नहीं चाहते हैं। हालांकि विभाग की ओर से शिक्षकों की प्रतिनियुक्ति व अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें मूल संस्था में लौटने का आदेश कई बार जारी किया गया है, लेकिन फिर भी पालन नहीं हो रहा है। अभी हाल में स्कूल खुलने से पहले स्कूल शिक्षा विभाग ने आदेश जारी कर शिक्षकों का अटैचमेंट समाप्त कर उन्हें मूल संस्था में संलग्नीकरण करने के निर्देश जारी किए गए लेकिन कुछ नहीं हुआ।

मंत्री गौर ने सेवासदन अस्पताल में नेत्र रोगियों से मुलाकात की

सेवासदन सिर्फ अस्पताल नहीं, गरीबों की सेवा का बड़ा केन्द्र : कृष्ण गौर

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

घुमंतू, अर्ध-घुमंतू और पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने संत हिरदाराम नगर स्थित सेवासदन नेत्र चिकित्सालय का दौरा किया और निःशुल्क इलाज करा रहे गरीब नेत्र रोगियों का हालचाल जाना।

इस दौरान उन्होंने अस्पताल में हुए उनके मुफ्त ऑपरेशन, इलाज की गुणवत्ता, ऑपरेशन से पहले और बाद की देखभाल और सेवाओं के बारे में जानकारी ली। मरीजों ने मंत्री को बताया कि सेवासदन सिर्फ एक अस्पताल नहीं, बल्कि गरीबों की सेवा और सहायता का एक प्रमुख केंद्र है। उन्होंने कहा कि यहां के कर्मचारी मरीजों की बहुत ही आत्मीयता और करुणा के साथ देखभाल करते हैं, जैसी सेवा उन्हें अपने परिवारों में भी नहीं मिलती। मरीजों ने इस सेवाभाव का श्रेय परमहंस संत हिरदाराम साहिब जी को दिया, जिनकी शिक्षाओं को यहां के कर्मचारियों ने आत्मसात किया है।

मंत्री का अनुभव

कृष्णा गौर ने खुद भी डॉ. सपना प्रशांत से अपनी आँखों की जांच करवाई। उन्होंने बताया कि पहले वे हैदराबाद के एक सुपर स्पेशियलिटी अस्पताल में गई थीं, लेकिन उन्हें वहां कोई विशेष लाभ नहीं हुआ। किसी अपने की सलाह पर उन्होंने सेवासदन में इलाज कराने का फैसला किया। वे यहां के डॉक्टरों और पैरामेडिकल कर्मचारियों की दक्षता और कार्यकुशलता से बहुत प्रभावित हुईं। उन्होंने कहा कि इस अस्पताल में मरीज का केवल इलाज नहीं होता, बल्कि एक अलौकिक संत का आशीर्वाद भी मिलता है।

अस्पताल की उपलब्धियां: मंत्री ने कहा कि यह अस्पताल ÷यथा नाम तथा गुण÷ की कहावत को चरितार्थ करता है। उन्होंने इस बात की सराहना की कि इस अस्पताल में मध्य भारत में सर्वाधिक 2,260 दृष्टिबाधित व्यक्तियों का कॉर्निया प्रत्यारोपण किया गया है, जिससे उन्हें ईश्वर की इस सुंदर दुनिया को फिर से देखने का मौका मिला है। उन्होंने इसके लिए अस्पताल प्रबंधन और डॉक्टरों को साधुवाद दिया।

इस अवसर पर, सेवासदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने राज्यमंत्री गौर का आभार व्यक्त किया और उन्हें एक स्मृतिचिन्ह, शॉल और श्रीफल भेंट किया।

मेट्रो एंकर

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह

कड़ी मेहनत और अनुशासन से हासिल की जा सकती है विद्या- सिद्धभाऊ

हिरदाराम नगर, दोपहर मेट्रो।

मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस पर सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत परंपरागत तरीके से दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुई। सिद्ध भाऊजी ने कहा कि विद्या और धन ऐसी अमूल्य धरोहर हैं, जिन्हें केवल कड़ी मेहनत और अनुशासन से ही पाया जा सकता है। समारोह के मुख्य अतिथि, धर्मेंद्र कुमार शर्मा, संयुक्त संचालक लोक शिक्षण संचालनालय थे। उन्होंने कहा कि÷शिक्षक राष्ट्र निर्माण की नींव हैं। वे सिर्फ ज्ञान ही नहीं, बल्कि मूल्य, अनुशासन, आत्मविश्वास और जीवन जीने की कला भी सिखाते हैं, और यही सच्ची शिक्षा है।÷ उन्होंने शिक्षकों को छात्रों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रेरित किया। विद्यालय के प्राचार्य, ए.एन. मणिकंडन ने कहा कि शिक्षक केवल सहायक नहीं, बल्कि प्रेरक, मार्गदर्शक और समाज के जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण करने वाले व्यक्तित्व होते हैं।

सांस्कृतिक प्रस्तुतियां

छात्र तुषार गोलानी ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन को रेखांकित किया। मोक्ष दासानी ने भाषण और एक कविता प्रस्तुत की। खुशान सिंह जाट ने हिंदी, हर्निश रामनानी ने सिंधी में और दिव्यांश भारद्वाज ने संस्कृत में अपने विचार रखे। छात्रों ने समूह गीत ÷नन्हे से कदम जब लेकर आए पहली बार÷ गाकर सबका मन मोह लिया। ÷कालिया नाग दहन÷ पर एक आकर्षक नृत्य प्रस्तुत किया। इस मौके पर सभी शिक्षकों और कार्यालयीन स्टाफ को फूलों के गुलदस्ते और उपहार देकर सम्मानित किया गया।

कलर एंड क्लिक कलरिंग कॉन्टेस्ट के विजेता भी सम्मानित-

- चिराग गंगवानी (प्रथम पुरस्कार 5000) और आकर्ष हर्ष (तृतीय पुरस्कार 2000)।
- ओम लीलानी (प्रथम पुरस्कार 5000)।
- अभिनव सिंह (द्वितीय पुरस्कार 3000) और दर्शील जैन (तृतीय पुरस्कार 2000)।

यह मौजूद रहे

समारोह में संस्था के सचिव घनश्याम बूलचंदानी, संस्था कार्यकर्ता थावर वरलानी, एकेडमिक डायरेक्टर गोपाल गिरधानी, प्राचार्य ए.एन. मणिकंडन, सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं और छात्र मौजूद थे।

विष्णु कुमार वाधवानी के नेत्रों का किया दान

हिरदाराम नगर. भोपाल निवासी विष्णु कुमार वाधवानी का निधन 06 सितम्बर 2025 को हो गया। दिवंगत प्राणी के छोटे भाई रमेश कुमार वाधवानी ने अपने बड़े भाई की आंखें सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय को दान में दे दी हैं । दिवंगत प्राणी के नेत्र, अब दो जरूरतमंद दृष्टिबाधित व्यक्तियों को प्रत्यारोपित किए जाएंगे। सेवा सदन अस्पताल ने अभी तक 2,260 दृष्टिबाधित लोगों को निःशुल्क नेत्र प्रत्यारोपित कर नेत्र ज्योति प्रदान की है। सेवा सदन नेत्र चिकित्सालय ट्रस्ट के सचिव हीरो ज्ञानचंदानी ने दिवंगत की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की है।

साल भर से सीएम सचिवालय में अटकी थी फाइल

शिवराज ने बंद किया था सीपीए, वहीं अब मेट्रोपॉलिटन रीजन करेगा डेवलप

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

राजधानी परियोजना प्रशासन यानी कैपिटल प्रोजेक्ट एडमिनिस्ट्रेशन (सीपीए) के पुनर्गठन को लेकर अब तक जो असमंजस बना था, वो दूर हो गया है। सीपीए फिर से शुरू होगा, मगर नए स्वरूप में। सीपीए को भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया को डेवलप करने की जिम्मेदारी दी जा सकती है। इस पर अंतिम फैसला मुख्यमंत्री को करना है।

दरअसल, सीपीए को तीन साल पहले तत्कालीन शिवराज सरकार ने बंद कर दिया था। सीपीए के जिम्मे जितने प्रोजेक्ट थे, वो तीन विभागों में बांट दिए थे। पिछले साल अगस्त में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने तत्कालीन शिवराज सरकार का फैसला पलटते हुए इसे फिर से शुरू करने के निर्देश दिए। इसके बाद से सीपीए को शुरू करने की फाइल एक साल से नगरीय प्रशासन विभाग और मुख्यमंत्री कार्यालय में घूम रही थी। 2 सितंबर को एक बार फिर नगरीय प्रशासन विभाग ने अपने सुझाव के साथ इसे सीएम ऑफिस भेजा है। इसमें लिखा है कि मेट्रोपॉलिटन एरिया को देखते हुए सीपीए को शुरू किया जा सकता है।

एक झटके में कैसे बंद कर दिया गया था राजधानी परियोजना प्रशासन

20 अगस्त 2021 को तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान राजधानी भोपाल की खस्ताहाल सड़कों को लेकर समीक्षा बैठक कर रहे थे। इस बैठक में उन्होंने पीडब्ल्यूडी, सीपीए, नगर निगम से जुड़े तत्कालीन अधिकारियों को जमकर फटकार लगाई थी। उस मीटिंग में शिवराज ने अधिकारियों से कहा था कि आखिर सड़कें खराब हो गईं, ये नौबत आई ही क्यों? आप लोग क्या कर रहे थे? जब अधिकारियों ने सफाई देनी चाही तो शिवराज ने उन्हें टोकते हुए कहा था कि बहाना नहीं चाहिए। ये काम पहले कराने का क्यों नहीं सोचा? इतनी सारी एजेंसियां आखिर करती क्या है? बैठक में जब अधिकारियों ने बताया कि भोपाल की सड़कों को बनाने और उनके रखरखाव का जिम्मा अलग-अलग एजेंसी के हवाले है। इन एजेंसियों में राजधानी परियोजना प्रशासन भी सड़कों का काम देखता है, तो शिवराज ने बिना देर गंवाए कहा था कि इसे तत्काल खत्म करो। इसकी कोई जरूरत नहीं है। इस ऐलान के बाद सीपीए को बंद करने की कवायद शुरू हुई। करीब 196 दिन बाद यानी 6 महीने बाद 3 मार्च 2022 को कैबिनेट बैठक में सीपीए को बंद करने के फैसले पर मुहर लगी और उसके 28 दिन बाद 31 मार्च 2022 को सीपीए पूरी तरह बंद हो गया था।

इसी साल अगस्त में सीपीए की फाइल आगे बढ़ी

खास बात ये है कि मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव नीरज मंडलोई जब नगरीय प्रशासन विभाग के प्रमुख सचिव थे, तब पिछले साल नवंबर में उन्होंने ही ये फाइल सीएम सचिवालय भेजी थी। तब से ही फाइल सीएम सचिवालय में रही। जून के महीने में जब वो सीएम सचिवालय के प्रमुख सचिव बने, तब एक बार फिर फाइल ने रफ्तार पकड़ी। मुख्यमंत्री सचिवालय के सूत्रों के मुताबिक, 7 अगस्त को सीपीए को फिर से शुरू करने की फाइल एक बार नगरीय प्रशासन विभाग को भेजी गई। इस बार सचिवालय ने विभाग से अभिमत मांगा कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया के डेवलपमेंट में सीपीए की क्या भूमिका हो सकती है? नगरीय प्रशासन विभाग से ये फाइल मुख्य सचिव कार्यालय पहुंची थी। वहां से 2 सितंबर को एक बार फिर मुख्यमंत्री कार्यालय पहुंची। इस फाइल में विभाग ने सीपीए को फिर से शुरू करने की सिफारिश की और इसके पीछे तर्क दिया कि भोपाल मेट्रोपॉलिटन एरिया को डेवलप करने में सीपीए एक संस्था के रूप में मदद कर सकता है। वो इससे पहले सड़कों का निर्माण, पार्क समेत कई निर्माण कार्य कर चुका है। इससे लोक निर्माण विभाग पर निर्भरता कम होगी।

कैसे शुरू हुई सीपीए को दोबारा शुरू करने की कवायद

मंत्री कृष्णा गौर ने सीएम को लिखी थी चिट्ठी

साल 2023 में विधानसभा चुनाव हुए और मप्र में बीजेपी की ही सरकार बनी, लेकिन मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव बने। पिछले साल यानी 2024 में प्रदेश की पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री कृष्णा गौर ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर सीपीए को पुनर्जीवित करने की मांग की। गौर ने अपने पत्र में लिखा कि सीपीए के पुनर्जीवित होने से राजधानी के बाग- बगीचों और फॉरेस्ट एरिया का अच्छे से विकास हो सकेगा। मंत्री कृष्णा गौर के पत्र के बाद सीएम डॉ. मोहन यादव ने इसे सीएम मॉनिट में डाला। सीएम मॉनिट में आने वाला मामला सीएम की सीधी निगरानी में होता है। सीएम ने अफसरों को इस पर निर्णय करने के लिए कहा।

सीएम ने केंद्रीय मंत्री से की थी मुलाकात

सीएम डॉ. मोहन यादव ने पिछले साल 30 अगस्त को केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर से मुलाकात की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री को बताया कि भोपाल महानगर की सड़कों, पार्कों के विकास और रखरखाव के साथ सीपीए ने भवन निर्माण, नजूल भूमि की सुरक्षा का काम भी किया। सीएम ने केंद्रीय मंत्री से सीपीए को फिर से शुरू करने के लिए केंद्रीय मंत्रालय से आर्थिक और तकनीकी सहायता देने की गुजारिश की। उन्होंने कहा कि सीपीए के फिर से शुरू होने से यह भोपाल शहर की विकास गतिविधियों में योगदान दे सकेगा। केंद्रीय मंत्री ने सीएम को इस मामले में हरसंभव सहायता देने का भरोसा दिया।

राज्य प्रशासनिक सेवा के 16 अफसर पदोन्नत

एमपी में पति-पत्नी एक साथ बने IAS

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

मध्य प्रदेश कैडर के 16 राज्य प्रशासनिक सेवा (एसएएस) अधिकारियों को भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) में पदोन्नत किया गया है। इनमें वे अधिकारी भी शामिल हैं जो विभागीय जांच के चलते पिछले सालों में प्रमोशन से वंचित रह गए थे। राकेश कुशरे और नंदा भलावे कुशरे को एक साथ पदोन्नति मिली है, वे पति-पत्नी हैं। जांच में क्लीनचिट मिलने के बाद नारायण प्रसाद नामदेव और कैलाश बुंदेला भी आईएएस बन गए हैं। उज्जैन नगर निगम के पूर्व कमिश्नर आशीष पाठक को भी आईएएस में पदोन्नति दी गई है। मिनिस्ट्री ऑफ पर्सनल, पब्लिक ग्रीवेंस एंड पेंशन्स की ओर से सोमवार को 2023 और 2024 बैच के लिए आईएएस अवॉर्ड का नोटिफिकेशन जारी किया गया। इन दोनों ही सालों के लिए राज्य प्रशासनिक सेवा अधिकारियों की विभागीय पदोन्नति समिति की बैठक पिछले महीने हुई थी। अब नोटिफिकेशन जारी होने के बाद इन दोनों सालों में 8-8, यानी कुल 16 अधिकारियों को आईएएस में पदोन्नत कर दिया गया है।

2023 बैच में इन्हें मिला आईएएस बनने का मौका

जिन आईएएस अफसरों को 2023 बैच के लिए हुई डीपीसी में आईएएस बनने का मौका मिला है। उसमें ये 8 अफसर शामिल हैं। नारायण प्रसाद नामदेव, डॉ कैलाश बुंदेला, नंदा भलावे कुशरे, अनिल कुमार डामोर, सविता झानिया, सारिका भूरिया, कमल सोलंकी, जितेंद्र सिंह चौहान

2024 के लिए इनका हुआ आईएएस में सिलेक्शन

संतोष कुमार टैगोर, निशा डामर, राकेश कुशर, शैली कनाश, रोहन सक्सेना, कविता बाटला, सपना अनुराग जैन

उज्जैन के दो सेवानिवृत्त इंजीनियरों की वार्षिक पेंशन वृद्धि की गई निरस्त

भोपाल। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग में अनुशासनहीनता और अनियमितताओं के मामलों में आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने सख्त रुख अपनाया है। इसी क्रम में वर्ष 2022 में उज्जैन नगर पालिक निगम में भवन निर्माण अनुज्ञा जारी करने के एक मामले में अनियमितताएं सामने आने पर कार्रवाई की गई है। प्राप्त शिकायतों और जांच के आधार पर यह पाया गया कि तत्कालीन अधीक्षण यंत्री जी. के. कठिल एवं तत्कालीन कार्यपालन यंत्री एल. डी. दोराया द्वारा गंभीर अनियमितताएं की गई थीं। जांच रिपोर्ट में दोष सिद्ध होने के बाद दोनों अधिकारियों के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है। दोषी पाए गए दोनों अधिकारी वर्तमान में सेवानिवृत्त हो चुके हैं। मध्यप्रदेश राज्य नगरीय यांत्रिकी सेवा नियमों के अंतर्गत उनकी वार्षिक वेतनवृद्धि (पेंशन वृद्धि) को निरस्त कर दिया गया है। आयुक्त श्री संकेत भोंडवे ने स्पष्ट किया है कि विभाग को प्राप्त होने वाली शिकायतों को गंभीरता से लिया जा रहा है। जांच में जो भी अधिकारी या कर्मचारी दोषी पाए जाते हैं, उनके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने यह भी कहा कि शासन-प्रशासन की पारदर्शिता बनाए रखने के लिये यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

लक्षद्वीप, आंध्र प्रदेश, केरल के बाद फिसड्डी राज्यों में एमपी चौथे नंबर पर

मप्र के के 73% वाहनों पर हाई-सिक्योरिटी नंबर प्लेट नहीं

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट को लेकर परिवहन विभाग और पुलिस महकमा लगातार प्रयासरत है। लेकिन मप्र के वाहन मालिक हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगवाने को राजी नहीं हैं। मध्यप्रदेश में कुल 2.45 करोड़ से अधिक पंजीकृत वाहन हैं, जिनमें से केवल 65.72 लाख वाहनों पर HSRP लगी है। यानी प्रदेश के 1.79 करोड़ से अधिक वाहन (73.24 फीसदी) अब भी बिना सुरक्षा नंबर प्लेट के सड़क पर दौड़ रहे हैं। देश में HSRP लगवा पाने वाले राज्यों में मप्र देश के सबसे फिसड्डी राज्यों में चौथे नंबर का प्रदेश है। HSRP लगवाने वाले टॉप स्टेट में जम्मू कश्मीर पहले नंबर पर है। J&K में मात्र 6.63 फीसदी वाहन ऐसे हैं जिन पर HSRP लगना बाकी है। हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन नंबर प्लेट लगाने में अव्वल राज्यों में टॉप-5 में शामिल है। ये जानकारी लोकसभा में AIMIM सांसद असदुद्दीन ओवैसी के सवाल के जवाब में दी गई है।

एचएसआरपी क्यों जरूरी है

परिवहन विभाग का कहना है कि एचएसआरपी नंबर प्लेट हाई-क्वालिटी, टेम्पर-प्रूफ होती है और इसमें एक यूनिक लेजर-कोड होता है, जिससे चोरी या फर्जी नंबर प्लेट लगाने जैसी घटनाओं पर रोक लगती है। साथ ही यह सड़क पर लगे कैमरों से वाहन की सही पहचान में मदद करती है, जिससे ट्रैफिक नियमों का पालन और अपराध नियंत्रण आसान हो जाता है।

राज्य	कुल रजिस्टर्ड वाहन	HSRP लगे वाहन	HSRP बाकी	HSRP बाकी%
लक्षद्वीप	21497	508	20989	97.64%
आंध्र प्रदेश	18486709	2071421	16415288	88.801
केरल	18502182	4709555	13792627	74.55%
मध्य प्रदेश	24556837	6572040	17984797	73.24%
अंडमान निकोबार	178660	50846	127814	71.54%

अब जानिए HSRP लगाने में सबसे टॉप-5 राज्य कौन से हैं

राज्य	कुल रजिस्टर्ड वाहन	HSRP लगे वाहन	HSRP बाकी	HSRP बाकी%
जम्मू और कश्मीर	2437947	2276359	161588	6.63%
असम	6696875	5712308	984567	14.70%
गुजरात	26846368	22218786	4627582	17.24%
हिमाचल प्रदेश	2474590	1953461	521129	21.06%
पश्चिम बंगाल	17624293	13397702	4226591	23.98%

जवाहर नवोदय विद्यालय में प्रवेश की प्रक्रिया शुरू

23 सितंबर तक जमा होंगे ऑनलाइन आवेदन, 7 फरवरी 2026 को परीक्षा

दोहपर मेट्रो, भोपाल।

जवाहर नवोदय विद्यालय में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए कक्षा 9वीं और 11वीं में लैटरल एंट्री (पार्श्व प्रवेश परीक्षा) के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। इच्छुक छात्र-छात्राएं ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 23 सितंबर है। चयन परीक्षा 7 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी।

जवाहर नवोदय स्कूल में चयनित विद्यार्थियों को शिक्षा, आवास, भोजन, यूनिफॉर्म, पाठ्य-पुस्तकें और दैनिक उपयोग की वस्तुएं मुफ्त दी जाती हैं। इसके अलावा, आधुनिक शिक्षा प्रणाली के अंतर्गत छात्रों को कम्प्यूटर, इंटरनेट और स्मार्ट क्लास जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाती हैं। यही कारण है कि हर साल बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स प्रवेश के लिए आवेदन करते हैं।

कक्षा 9वीं में प्रवेश के एलिजिबल कैंडिडेट- कक्षा 9वीं में प्रवेश के लिए वही विद्यार्थी एलिजिबल होंगे, जो किसी शासकीय या मान्यता प्राप्त अशासकीय स्कूल में सत्र 2025-26 के दौरान कक्षा 8वीं में अध्ययनरत हों। साथ ही, उनकी जन्मतिथि 01 मई 2011 से 31 जुलाई 2013 के बीच होनी चाहिए।

कक्षा 11वीं में प्रवेश के एलिजिबल कैंडिडेट

कक्षा 11वीं में प्रवेश के लिए वे छात्र-छात्राएं आवेदन कर सकते हैं, जो मान्यता प्राप्त स्कूल में सत्र 2025-26 के दौरान कक्षा 10वीं में अध्ययनरत हों। इन विद्यार्थियों की जन्मतिथि 01 जून 2009 से 31 जुलाई 2011 के बीच होना आवश्यक है।

चयन परीक्षा और आवेदन प्रक्रिया

प्रवेश के लिए चयन परीक्षा 7 फरवरी 2026 को आयोजित की जाएगी। आवेदन केवल ऑनलाइन ही स्वीकार किए जाएंगे। विद्यार्थी अधिक जानकारी के लिए जवाहर नवोदय स्कूल रातीबड़ जिला भोपाल के कार्यालय से संपर्क कर सकते हैं। संपर्क नंबर 0755-2896325 और 9584359571 जारी किए गए हैं।

म.प्र. का नागदा शहर पूर्णतः स्मार्ट मीटरीकृत घोषित

भोपाल। म.प्र. पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीन उज्जैन जिले का नागदा शहर 26 हजार स्मार्ट मीटर स्थापना के बाद पूर्णतः स्मार्ट मीटरीकृत शहर बन गया है। कंपनी के अंतर्गत महू, खरगोन, झाबुआ, थांदला पूर्व में पूर्णतः स्मार्ट मीटर वाले शहर घोषित हो चुके हैं। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने इस उपलब्धि के लिए पश्चिम क्षेत्र कंपनी प्रबंधन और कार्मिकों को बधाई दी हैं।

8 माह में लगाए 26 हजार स्मार्ट मीटर

मध्यप्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी इंदौर के प्रबंध निदेशक श्री अनूप कुमार सिंह ने बताया कि नागदा शहर में स्मार्ट मीटरीकरण का कार्य मात्र आठ माह में पूर्ण कर लिया गया है। शहर के सभी 26 हजार उपभोक्ताओं के यहां स्मार्ट मीटर लग चुके है। इनमें से बीस हजार के करीब घरेलू उपभोक्ता हैं। प्रतिमाह औसतन 13 हजार से 15 हजार को 1 रूपए यूनिट वाली अटल गृह ज्योति योजना का लाभ प्रदान किया जा रहा है। नागदा शहर के हजारों स्मार्ट मीटरीकृत उपभोक्ता अपने स्मार्ट मीटर की खपत ऊर्जस ऐप पर देख रहे हैं। नियमानुसार गैर घरेलू उपभोक्ताओं को पॉवर फैक्टर एवं सभी प्रकार के उपभोक्ताओं को सौर ऊर्जा अवधि यानि दिन में खपत पर टीओडी 20 फीसदी छूट का भी लाभ दिया जा रहा है।

शहीदों के परिजनों को 51 हजार की सहायता देंगे,

ऑपरेशन सिंदूर को समर्पित कथा कराएंगे मंत्री शुक्ला

भोपाल। उत्तर प्रदेश के वृंदावन में 7 दिवसीय भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है। कथा 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में मारे गए 27 नागरिक और ऑपरेशन सिंदूर में शहीद जवानों को समर्पित होगी। वृंदावन के केशव नगर स्थित केशव धाम में 15 से 21 सितंबर के बीच होने वाली भागवत कथा के मुख्य यजमान एमपी के नवकरणीय ऊर्जा मंत्री राकेश शुक्ला हैं। साध्वी सरस्वती दीदी श्रीमद भागवत कथा सुनाएंगीं। सरस्वती दीदी ने बताया कि मंत्री राकेश शुक्ला की ओर से ऑपरेशन सिंदूर के शहीदों के परिजनों को 51 हजार रुपए की सहयोग राशि दी जाएगी। वहीं, मंत्री राकेश शुक्ला का कहना है कि कथा का आयोजन तो सरस्वती दीदी करा रही हैं। मैं तो निमित्त मात्र हूं। कथावाचक सरस्वती दीदी ने बताया कि 21 सितंबर को सर्व पितृ अमावस्या के मौके पर सुबह 8 बजे वृंदावन के यमुना तट स्थित केशी घाट पर पहलगाम के आतंकी हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों की आत्मा की शांति के लिए तर्पण किया जाएगा। दोपहर एक बजे से शहीदों और आतंकी हमले में मारे गए नागरिकों के परिवार जनों की मौजूदगी में कार्यक्रम का आयोजन होगा।

ईवी दिवस आज

मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाने वाला देश का पहला राज्य

ईवी मैन्यूफैक्चरिंग हब बनने की क्षमता है हमारे प्रदेश में

भोपाल/राजगढ़, दोहपर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक वाहन परिवहन के भविष्य का प्रतिनिधित्व करने के लिये तैयार हो रहा है। इलेक्ट्रिक वाहन नीति बनाने वाला मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है। जलवायु परिवर्तन से लड़ने के वैश्विक जनादेश और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश के इलेक्ट्रिक वाहन निर्माण लक्ष्यों को हासिल करना मध्यप्रदेश की प्राथमिकता है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विश्व ईवी दिवस पर लोगों से कार्बन उत्सर्जन कम करने और स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया है। इलेक्ट्रिक वाहन जनसहयोग से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में तेजी लाने के लिए सबसे प्रभावी समाधान हैं। मध्यप्रदेश में जल्दी ही इलेक्ट्रिक वाहन संवर्धन बोर्ड का गठन किया जायेगा। यह अंतर विभागीय समन्वय सुनिश्चित करने और विभिन्न मुददों का समाधान निकालने के लिए जिम्मेदार होगा। मध्यप्रदेश को स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग में आदर्श राज्य बनाने और इस क्षेत्र में उत्कृष्ट उदाहरण स्थापित करने के लिये प्रयास किये जा रहे हैं। मध्यप्रदेश की इलेक्ट्रिक वाहन नीति में रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क में छूट के साथ इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने के लिये वित्तीय प्रोत्साहन दिया जायेगा। चार्जिंग और स्वैपिंग इन्फ्रास्ट्रक्चर लगाने में तेजी लाने के प्रयासों को भी प्रोत्साहन दिया जायेगा।

ईवी और ईवी संबंधित पाठ्यक्रम होंगे शुरू

प्रदेश में ईवी उदयोग के लिए आवश्यक कौशल के साथ कार्यबल तैयार करने के लिए नीति में इंजीनयिरिंग कालेजों और आईटीआई में ईवी और ईवी संबंधित पाठयक्रम भी शुरू किये जायेंगे। इसके अलावा भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर और उज्जैन को ईवी मॉडल सिटी के रूप में स्थापित किया जायेगा। मध्यप्रदेश का लक्ष्य है कि 2070 तक भारत को अपने शून्य उत्सर्जन के लक्ष्य को प्राप्त करने में सहयोग करे और स्वयं को कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने वाले राज्यों में पहला स्थान हासिल करे।

प्रदेश में वायु गुणवत्ता के सुधार एवं पेट्रोल, डीजल वाहनों पर निर्भरता को कम करने तथा इलेक्ट्रिक चार्जिंग अधोसंरचना के निर्माण के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा मध्यप्रदेश इलेक्ट्रिक व्हीकल नीति-2025 का क्रियान्वयन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत वर्ष 2030 तक प्रदेश में कुल पंजीकृत 02 पहिया, 03 पहिया, चार पहिया वाहन एवं बस के लिये इलेक्ट्रिक वाहनों के पंजीकृत के लिए क्रमशः 40 फीसदी, 80 फीसदी, 15 फीसदी एवं 40फीसदी का लक्ष्य रखा गया है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए विभिन्न प्रकार के इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन जैसे- स्माल, मीडियम और लार्ज चार्जिंग स्टेशन के लिए 10 लाख रूपये तक, अनुसंधान, नवाचार एवं कौशल विकास के लिए 2 करोड़ रूपये, बैटरी स्वैपिंग स्टेशन के लिये 5 लाख रूपये तक और 02 पहिया, 03 पहिया एवं कार के लिए रेट्रोफिटिंग अंतर्गत 25 हजार रूपये तक के वित्तीय प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। नगरीय विकास एवं आवास विभाग तथा मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान भोपाल द्वारा 9 सितंबर को विश्व ईवी दिवस पर लोगों में जागरूकता लाने ईवी कार्यशाला विद्युत 25 और इलेक्ट्रिक आटो एक्सपो का आयोजन मौलाना आजाद राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, भोपाल में किया जा रहा है। ईवी उद्योग के विकास को बढ़ावा देने में मध्यप्रदेश अहम भूमिका निभाने के लिए तैयार है। ईवी सेगमेंट को बढ़ता देख आम लोगों में उत्साह है कि भविष्य में मध्यप्रदेश ईवी मैन्यूफैक्चरिंग हब बनेगा। मध्यप्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्माण का केंद्र बनने की क्षमता है। यहां सभी प्रकार की सहयोगी अधोसंरचनाएं मौजूद हैं।

दुष्ट के साथ दुष्टता

रूस-यूक्रेन युद्ध का मैदान भले यूरोप में हो, लेकिन इसकी गूंज दिल्ली तक सुनाई दे रही है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर कड़ा चेहरा दिखाते हुए कहा है कि वह रूस और उसके तेल खरीददारों पर नए प्रतिबंध लगाने के लिए तैयार हैं। मतलब साफ है- तेल रूस से खरीदो और टैरिफ का डंडा खाओ। और इस डंडे के निशाने पर भारत भी है। अब सोचने वाली बात यह है कि जो अमेरिका खुद रूस से यूरेनियम मंगाता है और यूरोप के कई देश अब भी रूसी तेल खरीदते हैं, वहां भारत पर ही 'रूसी युद्ध मशीन' को ऑक्सीजन देने का आरोप क्यों? क्या यह वही पुराना दोहरा मापदंड नहीं, जिसमें बड़े देश अपने लिए नियम अलग और दूसरों के लिए अलग रखते हैं? भारत का पक्ष भी कम दिलचस्प नहीं है। नई दिल्ली बार-बार साफ कर चुकी है कि ऊर्जा सुरक्षा कोई मजाक नहीं है। 140 करोड़ की आबादी वाले देश को बिजली, पेट्रोल और उद्योगों के लिए तेल चाहिए, और अगर यह रूस से सस्ता मिल रहा है तो अमेरिका की त्यौरियों से ज्यादा जरूरी है जनता की जेब। लेकिन ट्रंप साहब हैं कि टैरिफ को रामबाण समझकर भारत पर बार-बार अमेरिकी डंडा आजमाने निकल पड़ते हैं। दिल्ली यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर राजीव रंजन गिरि की राय तो और भी तड़का लगाती है- भारत को अमेरिका से वही बर्ताव करना चाहिए जो चीन करता है। यानी, जो जैसा है, वैसा ही सबक। चीन जानता है कि उसकी रेयर अर्थ मेटल्स पर अमेरिका टिका हुआ है, इसलिए अमेरिका उस पर ज्यादा हाथ डालने से डरता है। भारत के पास भले रेयर अर्थ न हो, लेकिन 140 करोड़ का बाजार जरूर है। और यह बाजार इतना छोटा भी नहीं कि अमेरिका इसे हल्के में ले। दरअसल, अब वक्त आ गया है कि भारत भी अमेरिकी माल पर टैरिफ का तड़का लगाए। ताकि वाशिंगटन को यह समझ आए कि शेर के बच्चे को हल्के में लेना महंगा पड़ सकता है। आखिर कब तक भारत सिर्फ सुनता रहेगा कि क्वाड का सदस्य होकर रूस से तेल क्यों खरीदते हो? भाई, अमेरिका अगर इतना ही सिद्धांतवादी है तो पहले खुद का व्यापार रूस से बंद करे, फिर उपदेश दे। इस पूरे खेल का मजेदार पहलू यह है कि जब चीन से अमेरिका की बात आती है तो वहां व्यावहारिकता दिखाई जाती है। लेकिन भारत के साथ क्यों इतनी आदर्शवादी सख्ती? शायद इसलिए कि अमेरिका सोचता है- भारत को दबाना आसान है। मगर यह 90 के दशक का भारत नहीं, यह नया भारत है। अगर अमेरिका दुष्टता दिखाएगा तो भारत को भी दुष्टता मोड ऑन करना पड़ेगा।

सुविचार

मीठा बोलने में एक कौड़ी भी खर्च नहीं होती, इसलिए सदा प्रेमयुक्त, मधुर व सत्य वचन बोलें।

-अज्ञात

निशाना

कुछ तो शर्म करो...!

नीतिराज चौरे
'नीति' भोपाल

है कलह ही शेष क्यों?
हर तरफ विद्वेष क्यों?
यह विश्व में बारुद से,
हो रहा है क्लेश क्यों?

पृथ्वी को सता रहे,
जीव कुचले जा रहे,
मानवों में दानवों के,
कृत्य कैसे आ रहे?

कुछ तो अब शर्म करो,
धर्म के कुछ कर्म करो,
बंद हो यह हाहाकार,
खत्म हों यह अत्याचार।।

वरना प्रलय आएगा!
नष्ट सब हो जायेगा!
प्रकृति की मार से,
बच न कोई पाएगा।।

आज का इतिहास

- 1141 यारु दाशी, लियाओ राजवंश के जनरल, जिन्होंने क़ारा-ख़ितई की स्थापना की, समरकंद के पास, वर्तमान उज़बेकिस्तान के क़तवान के युद्ध में सेलजूक और कारा-ख़ानिद सेना को हराया।
- 1488 ऐनी डचेस ऑफ ब्रिटनी बन गई, जो प्रभाव के लिए थ्रस्टग्ल में एक केंद्रीय आकृति थी, जिसके कारण ब्रिटनी और फ्रांस का मिलन हुआ।
- 1493 ओटोमन साम्राज्य की सेनाओं ने बैटलऑफ कार्बावा फील्ड में क्रोएशियाई सेना को हराया।
- 1513 स्कॉटलैंड के कंबराई-जेम्स चतुर्थ के लीग का युद्ध, नॉर्थम्बरलैंड में फ्लोडुन की लड़ाई को मार डाला गया था, जबकि ऑगलैंड के आक्रमण का नेतृत्व किया था।
- 1553 ब्रिटेन के लिचफिल्ड शहर की स्थापना की गई।
- 1739 स्टोनो विद्रोह, उस समय ब्रिटिश अमेरिका का सबसे बड़ा गुलाम विद्रोह तेरह कालोनियों में, चार्ल्सटन, दक्षिण कैरोलिना के पास फटा।
- 1753 पहला स्टीम इंजन उत्तरी अमेरिकी की कालोनियों में लाया गया।
- 1776 फिलाडेल्फिया में दूसरे महाद्वीपीय बैठक में संयुक्त उपनिवेश (युनाइटेड कॉलोनी) का नाम संयुक्त राज्य (युनाइटेड स्टेट) रखा गया।
- 1776 अमेरिकी संसद कांग्रेस ने आधिकारिक तौर पर देश का नाम यूनाइटेट कालोनीज से बदलकर संयुक्त राज्य अमेरिका किया।
- 1783 डिकिंसन कॉलेज की स्थापना कार्लसेल, पेनसिल्वेनिया में की गई थी।
- 1850 कैलीफोर्निया अमेरिका का 31वां राज्य बना।
- 1850 कैलिफोर्निया को संघ के तीस-प्रथम राज्य के रूप में स्वीकार किया गया।
- 1867 यूरोपीयीय देश लक्जमबर्ग ने स्वतंत्रता प्राप्त की।
- 1886 साहित्य के संरक्षण और कलात्मक कार्यों के लिए बर्न कन्वेंशन पर हस्ताक्षर किया गया।

चीन के GGI वाले नए 'खेल' से अमेरिका की बढ़ेगी मुश्किल?

■ सैयद अकबरुद्दीन

क्या तियानजिन से भारत के लिए कुछ बदला है? तियानजिन में हुए शंघाई सहयोग संगठन (SCO) शिखर सम्मेलन के कुछ ही दिनों बाद, ट्रंप ने अपने तेवर नरम कर लिए, जो कई सप्ताह से चली आ रही टैरिफ की अस्थिरता के बिल्कुल उलट था। उन्होंने कहा कि वह मोदी के हमेशा दोस्त रहेंगे, भारत और अमेरिका के बीच एक खास रिश्ता है और इसमें चिंता की कोई बात नहीं है। भारतीय प्रधानमंत्री ने भी उनकी भावनाओं का जवाब देते हुए इस साझेदारी को बेहद सकारात्मक और दूरदर्शी बताया।

तियानजिन में, जब कैमरे इस बात पर नजर रख रहे थे कि कौन आया और उन्होंने बीजिंग को कैसे लुभाया, चीन ने भी एससीओ प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल अपनी तरह से किया। समिट में जहा अधिकतर प्रतिभागियों ने द्विपक्षीय मुद्दों पर बात की, वहीं शी जिनपिंग ने वैश्विक बहुपक्षीय व्यवस्था पर बात की। उन्होंने वैश्विक शासन पहल (GGI) का अनावरण किया। सीधे शब्दों में कहें तो, यह चीन की योजना है कि नए वैश्विक नियमों को कैसे लिखा जाए।

भारत को क्या करना चाहिए?: अब सवाल है कि भारत को क्या करना चाहिए? अगर ट्रंप नरम पड़ रहे हैं, तो यह नरमी अभी नीतिगत नहीं है। यह तभी वास्तविक होगी जब शर्तों पर बातचीत होगी और टैरिफ राहत पर कागजी कार्रवाई पूरी हो जाएगी। जीजीआई की ओर बहुत अधिक झुकाव अमेरिकी दबाव से राहत पाने में रुकावट का जोखिम पैदा कर सकता है। हालांकि, वाशिंगटन की ओर बहुत अधिक झुकाव, बदले में, भारत के प्रभाव को कम कर देगा।

भारत को इस नरमी को खुले मानकों के लिए एक सहारा के रूप में देखना चाहिए, न कि वैश्विक निवेश साझेदारी (GGI) के दायरे को बंद करने वाले संरेखण के रूप में। दोनों रास्तों में संतुलन बनाकर ही भारत के आगे के विकल्प तय होने चाहिए।

चीन ने जता दिए अपने इरादे: जीजीआई उन क्षेत्रों में बातचीत के लिए एक आदर्श मॉडल है जो अभी भी कच्चे हैं जैसे आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, सीमा पार डेटा, अंतरिक्ष, क्लाइमेट फाइनेंस और डिजिटल व्यापार। अगर नियमों के अनुसार एआई मॉडलों को रिलीज से पहले सुरक्षा और पूर्वाग्रह टेस्ट से गुजरना पड़ता है, तो बेसलाइन टेस्ट लिखने वाली संस्था को लाभ मिलता है। रिपोर्टिंग फॉर्म तैयार करके, यह चुपचाप बाकी सभी के लिए मानक तय कर देता है। जीजीआई के साथ, चीन ने वैश्विक नियम-निर्माण में अग्रणी भूमिका निभाने के अपने इरादे का संकेत दिया है।

पांच वादों वाला प्रस्ताव: यह प्रस्ताव पांच वादों में लिपटा हुआ है। इसमें संप्रभु समानता, अंतरराष्ट्रीय कानून का शासन, बहुपक्षवाद, जन-केंद्रित दृष्टिकोण और वास्तविक परिणाम शामिल हैं। इसकी भाषा उत्साहवर्धक है। इसका जोखिम इसके बारीक अक्षरों में छिपा है। बहुपक्षीय कूटनीति में, यदि आप प्रक्रिया को दिशा देते हैं, तो आप प्रोडक्ट को आकार देते हैं। आज का मसौदा तैयार करने वाला कल का द्वारपाल बन जाता है।

बीजिंग वैश्विक विकास पहल (GGI) को आंतरिक सुधार के रूप में प्रस्तुत करता है। यह इस योजना को किसी प्रतिद्वंद्वी अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था के बजाय संयुक्त राष्ट्र से जोड़ता है। साथ ही, इसे एक दशक में तैयार की गई संरचना में समाहित करता है। बेल्ट एंड रोड पहल बंदरगाहों, रेलवे और बिजली लाइनों वाली इमारत है। वैश्विक विकास पहल सतत विकास लक्ष्यों (SDG) के अनुरूप कार्यान्वयन पथ है। वैश्विक सुरक्षा पहल अविभाज्य सुरक्षा और संप्रभुता के सम्मान पर जोर देती है। वैश्विक सभ्यता पहल सांस्कृतिक विविधता और अहस्तक्षेप पर जोर देती है।

जीजीआई ऑपरेटिंग सिस्टम और नियम डेस्क के रूप में शीर्ष पर है। बीआरआई ने हार्डवेयर बनाया। जीजीआई उन नेटवर्कों को संचालित करने वाला सॉफ्टवेयर लिखने की ओर अग्रसर है। रंग नक्शों पर पर्दा नहीं डाल सकता। भारत के लिए, एक सूत्र पर समझौता नहीं किया जा सकता। बीआरआई का एक प्रमुख प्रोजेक्ट, चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा, पाक अधिकृत कश्मीर से होकर गुजरता है। नई दिल्ली इसे संप्रभुता का हनन कहता है। यह भारत के विकल्पों को आकार देता है और बताता है कि संप्रभु समानता के वादों की परीक्षा क्यों होगी।

ग्लोबल साउथ में कई देशों को फायदा: फिर भी, ग्लोबल साउथ में कई लोगों के लिए वास्तविक लाभ हैं। संप्रभु समानता का व्याकरण कम प्रतिनिधित्व की लंबे समय से चली आ रही शिकायतों का जवाब देता है। संयुक्त राष्ट्र का मंच बंद पश्चिमी क्लबों से भी बड़ा है। मानकों और नियामक क्षमता में मदद तंग बजट वाली सरकारों के लिए मूल्यवान है। अगर चीन पैसा, ट्रेनिंग और टूलकिट के साथ आता है, तो कई राजधानियां उसकी बात सुनेंगी। हालांकि, वादों को अमल में लाना होगा। चेतावनियां स्पष्ट हैं।

-सबसे पहले, पैसा। कार्रवाई तभी सार्थक होती है जब वित्त पारदर्शी और उचित मूल्य पर हो। इसका मैनेजमेंट भी संयुक्त रूप से होना चाहिए। अस्पष्ट ऋण और राजनीतिक बंधन इस वादे को डुबो देंगे।

- दूसरा, स्टैंडर्ड। चीन डेटा पर सरकार के नियंत्रण और डिजिटल नीति में राज्य-प्रथम दृष्टिकोण का पक्षधर है। कुछ सरकारों को यह पसंद आ सकता है। अगर इससे इंटरनेट खंडित होता है, लागत बढ़ती है और इनोवेशन धीमा होता है, तो कंपनियां और नागरिक शायद इसे पसंद न करें।

- तीसरा, बहुपक्षवाद। संयुक्त राष्ट्र के अधीन काम करने का संकल्प लिया गया है। मसौदा तैयार करने का काम अभी भी अन्य मंचों पर हो सकता है और फिर औपचारिक मुहर के लिए न्यूयॉर्क लौट सकता है।

क्या कह रहे पश्चिमी आलोचक?: पश्चिमी आलोचक चेतावनी देते हैं कि सुधार की भाषा समानांतर संस्थाओं को वैधता प्रदान कर सकती है और चीन के पक्ष में नरम मानक स्थापित कर सकती है। वे व्यापार और निवेश में आर्थिक दबाव के प्रसंगों की ओर इशारा करते हैं और निष्कर्ष निकालते हैं कि चीन का रिकॉर्ड इन बयानों को झूठा साबित करता है। ये चेतावनियां किसी भी तरह की बातचीत से बचने का कारण नहीं हैं, बल्कि पूरी तैयारी के साथ आगे बढ़ने का कारण हैं।

भारत की क्या हो नीति?: भारत को न तो बहिष्कार करना चाहिए और न ही आंख मूंदकर हस्ताक्षर करना चाहिए। उसे बहुपक्षीय रूप से जुड़ना चाहिए और इसकी रूपरेखा तैयार करनी चाहिए। डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना को एक दक्षिणी मॉडल के रूप में एजेंडे में शामिल करें जो खुलेपन, सुरक्षा और सहमति में संतुलन बनाए रखे। खुली खरीद, ऋण पारदर्शिता और बहुपक्षीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप पुनर्गठन नियमों पर जोर दे। उसे यह मांग करनी चाहिए कि संपर्क योजनाएं संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का सम्मान करें। जहां इस सिद्धांत का उल्लंघन हो, वहां पीछे हटें। जहां इसका सम्मान हो, वहां आगे बढ़ें और व्यावहारिक नियम बनाने में मदद करें। भारत की जी-20 अध्यक्षता ने दिखाया है कि वह विविध खिलाड़ियों के बीच मतभेदों को पाट सकता है। उस अनुभव का अब उपयोग किया जाना चाहिए। व्यापक ग्लोबल साउथ के लिए, विकल्प चीन या कुछ नहीं है, यह नहीं है। गहरा सवाल यह है कि क्या एक पूंजी को कलम का एकाधिकार करने दिया जाए या इसे एक वास्तविक मंच में बदल दिया जाए। इसका मतलब है कि प्रस्तावों के साथ आगे बढ़ना और वैश्विक भलाई के लिए बातचीत करने के लिए धैर्य दिखाना। जो देश मसौदा तैयार करने से दूर रहेंगे, वे दूसरों के फुटनोट्स के नीचे रहेंगे। जो देश इसमें शामिल होंगे, वे अंतिम मसौदे को अधिक निष्पक्ष और खुले परिणामों की ओर मोड़ सकते हैं।

जीजीआई अमूर्त लग सकता है। यह बिल्कुल भी अमूर्त नहीं है। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस, डेटा फ्लो या क्लाइमेट फाइनेंस के लिए मानक जिस तरह से लिखे जाते हैं, उसका असर बाजारों, लागतों और स्वतंत्रताओं पर पड़ेगा। यह प्रतियोगिता परियोजनाओं के बारे में नहीं, बल्कि चेकलिस्ट और डिफॉल्ट के बारे में है। कूटनीति में, सॉफ्टवेयर की तरह, डिफॉल्ट चुपचाप व्यवस्था को नियंत्रित करते हैं। या तो भारत उन्हें निर्धारित करने में मदद करता है या दूसरों द्वारा निर्धारित डिफॉल्ट के साथ रहता है।

लेखक संयुक्त राष्ट्र में भारत के पूर्व स्थायी प्रतिनिधि हैं। : साभार

रंग चिकित्सा केवल उपचार नहीं, जीवन को संतुलित करने की कला

■ महेश अग्रवाल

मानव जीवन का आधार प्रकाश है और प्रकाश का स्वरूप है - रंग। सूर्य की किरणें जब प्रिज़्म से होकर गुजरती हैं तो सात मुख्य रंगों में विभाजित हो जाती हैं - बैंगनी, जामुनी, नीला, हरा, पीला, नारंगी और लाल। ये सातों रंग केवल हमारी आँखों को ही नहीं भाते, बल्कि हमारे शरीर, मन और आत्मा पर भी गहरा प्रभाव डालते हैं। वैदिक ग्रंथों, योग शास्त्रों और आधुनिक विज्ञान - सभी ने स्वीकार किया है कि रंगों में स्वास्थ्य सुधारने, मन को संतुलित करने और चेतना को ऊँचा उठाने की अद्भुत शक्ति है। इस शक्ति का सुव्यवस्थित प्रयोग ही है - रंग चिकित्सा (Chromo Therapy)। यह चिकित्सा साधारण है, किंतु प्रभाव अत्यंत गहरे। सूर्य के सात रंग हमारे शरीर के सात चक्रों से मेल खाते हैं। योग, प्राणायाम और ध्यान के साथ जब इन रंगों का समन्वय किया जाता है तो शारीरिक रोग दूर होते हैं, मानसिक शांति मिलती है और आध्यात्मिक विकास संभव होता है।

रंग चिकित्सा का इतिहास: रंगों के माध्यम से चिकित्सा की परंपरा नई नहीं है। भारत की वैदिक परंपरा - अथर्ववेद में सूर्य किरणों और औषधियों के रंग का उल्लेख मिलता है। सप्त ऋषि और सप्त चक्र - दोनों ही सात रंगों से जुड़े माने जाते हैं। मिस्र (Egypt) - प्राचीन मिस्रवासी मंदिरों में रंगीन काँच से सूर्य का प्रकाश रोगियों पर डालते थे। यूनान (Greece) - हिप्पोक्रेट्स ने रंगों के मानसिक प्रभाव का अध्ययन किया। चीन और तिब्बत - वहाँ पंचतत्व और पंचरंग का गहरा संबंध माना गया।

रंग और उनके प्रभाव: बैंगनी मस्तिष्क को शांति देता है। सहस्रार चक्र को सक्रिय करता है। गहन ध्यान व समाधि में सहायक। आध्यात्मिकता, तपस्या और ब्रह्मज्ञान का प्रतीक। जामुनी नेत्र, नासिका और कान के रोगों में लाभकारी। आज्ञा चक्र (तीसरी आँख) को जाग्रत करता है। अंतर्ज्ञान और विवेक को मजबूत करता है। नीला - रक्तचाप नियंत्रित करता है, शांति देता है। विशुद्धि चक्र को शुद्ध करता है। विश्वास और सत्य का प्रतीक। भ्रामरी प्राणायाम में नीले रंग की कल्पना शांति बढ़ाती है। हरा - हृदय को बल देता है, श्वसन तंत्र को स्वस्थ करता है। अनाहत चक्र से जुड़ा है। प्रेम, दया और करुणा का संवाहक। समाज में सहयोग और सामंजस्य का प्रतीक। पीला- पाचन शक्ति और यकृत को मजबूत करता है। मणिपुर चक्र को जाग्रत करता है। ज्ञान, विद्या और तर्कशक्ति का रंग। विद्यार्थियों और साधकों के लिए विशेष लाभकारी। नारंगी - प्रजनन शक्ति और सृजन क्षमता को सक्रिय करता है। स्वाधिष्ठान चक्र से जुड़ा है। उत्साह और सृजनशीलता का संवाहक। मित्रता और सौहार्द का प्रतीक। लाल (Red)- रक्त संचार को तेज करता है। मूलाधार चक्र को सक्रिय करता है। साहस, पराक्रम और शक्ति का प्रतीक। जीवन में स्थिरता और ऊर्जा प्रदान करता है।

चक्र और रंगों का संबंध: योग शास्त्र के अनुसार मानव शरीर में सात मुख्य ऊर्जा केंद्र हैं - चक्र। हर चक्र का एक विशेष रंग है: मूलाधार - लाल, स्वाधिष्ठान - नारंगी, मणिपुर - पीला, अनाहत - हरा, विशुद्ध - नीला, आज्ञा - जामुनी, सहस्रार - बैंगनी/श्वेत - जब साधक ध्यान और प्राणायाम करता है तो वह इन रंगों का अनुभव करता है। प्रत्येक रंग अपने संबंधित चक्र की शक्ति को जाग्रत कर जीवन को संतुलित करता है।

प्रमुख नाड़ियां और रंग: योग में तीन मुख्य नाड़ियों का विशेष महत्व है: इड़ा नाड़ी - चंद्र ऊर्जा की वाहक, इसका रंग श्वेत या नीला माना जाता है। यह शांति और ठंडक प्रदान करती है। पिंगला नाड़ी - सूर्य ऊर्जा की वाहक, इसका रंग लाल या नारंगी है। यह ऊर्जा और सक्रियता का संचार करती है। सुषुम्ना नाड़ी - मध्य मार्ग, संतुलन की धारा। इसका रंग सुनहरा, बैंगनी या श्वेत है। ध्यान और समाधि की अवस्था इसी के सक्रिय होने से मिलती है।

ब्रेन के लिए खतरनाक है शुगर याददाश्त को कर सकती है धुंधला

ब्रेन मानव शरीर का वह अंग है जो शरीर की सभी गतिविधियों को नियंत्रित करता है, जिसमें सोचना, समझना, याद रखना, भावनाएं, सेंसेज, और शरीर की गति शामिल हैं। ऐसे में ब्रेन की हेल्थ का ख्याल रखना बेहद जरूरी है। आपके द्वारा खाए जाने वाले फूड इनकी कार्यक्षमता पर बड़ा प्रभाव डालते हैं। ये ब्रेन को हेल्दी रख सकते हैं या फिर इसके बीमार पड़ने का रिस्क बढ़ा सकते हैं। सब्जियां, फल, साबुत अनाज, बेरीज, हेल्दी फैट्स जैसे फूड आइटम्स बेहतर कॉग्निटिव फंक्शन से जुड़े हुए हैं। वहीं, कुछ खाद्य पदार्थ और इंग्रीडिएंट्स आपके कॉग्निटिव गिरावट के जोखिम को बढ़ा सकते हैं। इनमें शुगर भी शामिल है। जी हां, चीनी का बहुत अधिक सेवन दिमाग की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है और डिमेंशिया के विकास के खतरे को भी बढ़ा सकता है। ऐसा एक स्टडी में भी साबित हो चुका है। आइए जानते हैं कैसे चीनी से डिमेंशिया का रिस्क बढ़ जाता है।

चीनी के नुकसान: शुगर एक ऐसी चीज है जिसका जितना अधिक इस्तेमाल किया जाए, उतना अधिक आपके शरीर में बीमारियां बढ़ सकती हैं। अब तक आपने ये तो सुना ही होगा कि बहुत अधिक चीनी खाने से डायबिटीज, मोटापा, हाई कोलेस्ट्रॉल और हार्ट डिजीज का रिस्क बढ़ सकता है। लेकिन क्या आप ये जानते हैं ये आपके दिमाग की फंक्शनिंग को भी प्रभावित कर सकती है। इसके सेवन से डिमेंशिया का रिस्क भी कई गुना बढ़ जाता है। एक स्टडी में पाया गया कि एडेड शुगर का अधिक सेवन डिमेंशिया के 43% अधिक जोखिम से जुड़ा था।

ब्रेन को पहुंचाती है नुकसान: इसमें कोई हैरानी की बात नहीं है कि चीनी का सेवन ओवरऑल हेल्थ के लिए हानिकारकर साबित हो सकता है। यह मस्तिष्क पर भी प्रभाव डाल सकती है। एक नई स्टडी में पाया गया कि शुगर का सेवन डिमेंशिया के खतरे को बढ़ाता है। खासकर, फ्री शुगर का अधिक सेवन करने वाल लोगों में डिमेंशिया का रिस्क 43 फीसदी ज्यादा पाया गया। यहां तक कि फल और डेयरी जैसी चीजों में नेचुरली मौजूद चीनी भी थोड़ा जोखिम बढ़ाती है, लेकिन इसका प्रभाव काफी कम था, क्योंकि इनमें फाइबर और एंटीऑक्सिडेंट जैसे पोषक तत्व मौजूद होते हैं। इस अध्ययन से यह भी पता चला कि आनुवंशिकी यानी जेनेटिक्स जोखिम को प्रभावित करती है।

क्यों हानिकारक है चीनी ?: स्टडी में पाया गया कि नॉन-फ्री शुगर और फ्री शुगर का सेवन दोनों ही डिमेंशिया के लिए जोखिम कारक हैं। ऐसे में वैज्ञानिकों की राय है कि नॉन-फ्री शुगर का सेवन भी सीमित किया जाना चाहिए। अब सवाल ये है कि आखिर किस तरह एडेड शुगर और फ्री शुगर ब्रेन के लिए नुकसानदायक साबित होती हैं। दरअसल, ये जल्दी से रक्तप्रवाह में अवशोषित हो जाते हैं, जिससे आपके ब्लड शुगर और इंसुलिन में वृद्धि होती है। साथ ही इन फूड आइटम्स में फाइबर और पोषक तत्वों की कमी होती है, जो मस्तिष्क की सेहत की रक्षा करने के लिए जरूरी हैं।

क्या होता है डिमेंशिया ?: डिमेंशिया कोई एक स्पेसिफिक बीमारी नहीं है। यह एक सिंड्रोम है जो कई बीमारियों के कारण हो सकता है। डिमेंशिया मेमोरी, सोच और सोशल एबिलिटीज को प्रभावित करने वाले लक्षणों के एक समूह का वर्णन करता है। इसके लक्षण मरीज के डेली लाइफ को प्रभावित कर सकते हैं। मेमोरी लॉस इस सिंड्रोम के शुरुआती लक्षणों में से एक है।

डिमेंशिया के खतरे से बचने के लिए क्या करें: अच्छी बात ये है कि एक स्वस्थ जीवनशैली आपके डिमेंशिया के विकास के जोखिम को कम करने में मदद कर सकती है। अपनी लाइफस्टाइल में कुछ आदतों को अपनाने से ब्रेन को हेल्दी रखने में मदद मिलती है। खुद को फिजिकल तौर पर एक्टिव रखें। इसके लिए एक्सरसाइज और वॉक कर सकते है।

69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबॉल प्रतियोगिता अंडर 19 का सिरोंज में शुभारंभ

जुलूस की शक्ल में निकले प्रदेशभर से आए खिलाड़ियों का फूल बरसाकर किया स्वागत

सिरोंज, दोपहर मेट्रो

69वीं राज्य स्तरीय शालेय फुटबाल प्रतियोगिता अंडर 19 का रोमांच सांदीपनि स्कूल के मैदान पर शुरू हो गया। इसके पहले खिलाड़ियों के भव्य स्वागत को देखकर गद्गद् खेल शिक्षक संघ प्रदेश के अध्यक्ष सलकांत बहादुर सिंह को मंच से ही कहना पड़ा कि ऐसी व्यवस्था और ऐसा स्वागत राष्ट्रीय प्रतियोगिता में भी नहीं देखा। उन्होंने यह कहते हुए विधायक उमाकांत शर्मा का आभार जताया कि आज ऐसा लग रहा है कि या तो हम यहां होते या फिर आपको हमारे यहां होना था। खिलाड़ियों की अगर ऐसी ही हौंसला अफजाई होती रहे तो फिर उन्हें आगे बढ़ने और बेहतर परिणाम देने से कोई नहीं रोक सकता।

प्रतियोगिता शुभारंभ के अवसर पर खिलाड़ियों ने मार्चपास्ट निकाला। जो नया बस स्टैंड से शुरू हुआ। यहां पर नपाध्यक्ष मनमोहन साहू ने सभी 360 खिलाड़ियों, मैनेजर और रेफरी को कैप प्रदान किए। जब मार्च पास्ट शुरू हुआ तो सिरोंज के ही स्कूल के बेंड दल ने उसकी आगवानी की। इसके बाद तीन किमी लंबे मार्च पास्ट के मार्ग में पग-पग पर खिलाड़ियों का फूल बरसाकर स्वागत किया गया। मार्चपास्ट में सभी खिलाड़ी अपने संभाग के लिए निर्धारित यूनिफार्म पहनकर ध्वज थाम कर चल रहे थे। मैदान में प्रतियोगिता के ध्वजारोहण के बाद भी खिलाड़ियों ने कदमताल करते हुए मार्चपास्ट किया। इस दौरान सभी कोच, मैनेजर और रेफरी का भी सम्मान किया गया।

1936 में नवाबी दौर से फुटबॉल हो रहा है: उमाकांत

शुभारंभ कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक उमाकांत शर्मा ने कहा कि कार्यक्रम में मौजूद सभी खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कहा कि यहां हर खिलाड़ी नायक है। जिस मैदान में आप खेलेंगे यहां पर 1936 में नवाबी दौर से फुटबाल हो रहा है। अखिल भारतीय प्रतियोगिता भी यहां हो चुकी है। जितना आनंद खेल में है उतना कहीं नहीं। हम कोशिश करेंगे कि यहां आपको किसी तरह की परेशानी ना हो। इस दौरान एडीशनल एसपी प्रशांत चौबे ने कहा कि खेल में हार और जीत होते है। हार को जीतना और हार को सीखना जीवन में जरूरी है। जो इसे समझ लेता है। वह किसी भी क्षेत्र में हो सफल होता है। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ ओपी सनोडिया ने भी अपनी बात रखी। भूमिका वक्तव्य खेल शिक्षक जमशेद खान ने और आभार बीईओ उमेश सोनी ने व्यक्त किया।

नृत्य-नाटिका की दी प्रस्तुत

सांदीपनि स्कूल में आयोजित राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता में संत सुधासागर इंटरनेशनल स्कूल के बच्चों ने मनभावन सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में एकमात्र सांस्कृतिक प्रस्तुति के लिए बच्चों का चयन किया गया था। बच्चों ने नृत्य नाटिका के माध्यम से श्रीगणेश वंदना की। विधायक उमाकांत शर्मा ने फूल बरसाकर बच्चों की प्रस्तुति को सराहा।

जनजातीय विभाग ने 2-0 से जीता

प्रतियोगिता का पहला मुकाबला बालक वर्ग में जनजातीय विभाग और नर्मदापुरम के बीच हुआ। जिसमें जनजातीय विभाग के लड़कों ने नर्मदापुरम को छकाते हुए 2-0 से जीत हासिल की। दूसरा मैच बालिका वर्ग में शहडोल और जनजातीय विभाग के बीच हुआ। इसमें शहडोल की लड़कियों ने 2-0 से जीत हासिल की। तीसरा मैच बालक वर्ग में सागर और उज्जैन के बीच हुआ। जिसमें सागर ने 2-0 से जीत हासिल की।

आज होने वाले मुकाबले

बालक और बालिका वर्ग में दो-दो ग्रुप बनाए गए हैं। मंगलवार को बालिका वर्ग से नर्मदापुरम और ग्वालियर, जबलपुर और भोपाल, नर्मदापुरम और उज्जैन, भोपाल और ग्वालियर, शहडोल और रीवा, जनजातीय विभाग और सागर, इन्दौर और रीवा तथा सागर और इन्दौर के बीच मैच होंगे। वहीं बालक वर्ग में सागर और जबलपुर, उज्जैन और जनजातीय विभाग, जबलपुर और नर्मदापुरम, सागर और जनजातीय विभाग, रीवा और भोपाल, शहडोल और ग्वालियर, रीवा और इन्दौर तथा इन्दौर और भोपाल के बीच मुकाबले होंगे।

कच्चा घर गिरा, बाल-बाल बचा परिवार

गंजबासौदा। शहर से करीब 17 किलोमीटर दूर ग्राम पड़रिया शिवरामपुर में एक कच्चा मकान अचानक से भरभरा कर गिर गया। जिससे मकान मालिक को हजारों का नुकसान हो गया। जानकारी के अनुसार पड़रिया निवासी मुन्नालाल विश्वकर्मा का कच्चा मकान दोपहर को अचानक से गिर गया। जिसमें जरूरत का सामान बर्तन सहित खाद्य सामग्री मकान के मलवे में दब गई। मकान गिरने की आवाज सुनकर आसपास के लोग वहां एकत्रित हो गए। और मलवे में दबा सामान को निकालने में मदद की। जिस समय मकान गिरा उस समय परिवार वाले उसी मकान में दूसरी तरफ थे। जिससे परिवार के लोग ओर गली से निकलने वाले भी बाल बाल बचे। जिससे बड़ी घटना टल गई। मुन्नालाल विश्वकर्मा ने बताया कि मकान गिरने से उसे बहुत नुकसान हुआ हैं। उसमें जरूरी सामान खाद्य सामग्री बर्तन सहित अन्य सामान दब गया। जिससे उसे हजारों का नुकसान हुआ है। उन्होंने प्रशासन से मुआवजे की मांग की है जिससे उसके नुकसान की भरपाई हो।

दिव्यांग शिविर में बनाए प्रमाण-पत्र

गंजबासौदा। विकासखंड स्तरीय दिव्यांग छात्रों के लिए शिविर का आयोजन मानस भवन में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि भारतीय जनता पार्टी चिकित्सा प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष एवं आरोग्य भारती भोपाल महानगर अध्यक्ष डॉ. अभिजीत देशमुख शामिल हुए। साथ ही जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय से चन्द्र प्रकाश साहू एवं डीपीसी कार्यालय से एपीसी ज्योति केदारे सहित बीआरसी बृजेंद्र रघुवंशी एमआरसी रितेश देशमुख सहित समस्त सीआरसी, शिक्षकों ने अपनी शालाओं में अध्ययनरत छात्रों के साथ शामिल हुए। पात्र छात्र छात्राओं के दिव्यांग प्रमाण पत्र बनाए गए। श्रवण परीक्षण, बौद्धिक परीक्षण, नेत्र परिक्षण, अस्थि परीक्षण सहित छात्रों के विभिन्न प्रकार स्वास्थ परीक्षण किए गए ।

नर्मदापुरम नए एसपी होंगे साईंकृष्ण एस थोटा

नर्मदापुरम। देर रात गृह विभाग ने आईपीएस अधिकारियो के तबादला आदेश जारी किए है जारी दूसरी सूची में नर्मदापुरम एसपी डॉ गुरकरण सिंह का नाम भी शामिल है। डॉ. सिंह का तबादला सेनानी,24वी वाहिनी विसबल जावरा,रतलाम हो गया है।उनके स्थान पर नर्मदापुरम की कमान 2014बैच आईपीएस अधिकारी साईं कृष्ण एस थोटा को सौंपी है। श्री थोटा का तबादला पन्ना से नर्मदापुरम किया गया। श्री थोटा बांबे आईआईटी से पासआउट है उन्हें चार भाषा मराठी,तेलुगु,हिंदी ओर अंग्रेजी का अच्छा ज्ञान है। बता दे कि एसपी डॉ गुरकरण सिंह का नर्मदापुरम में नौकरी का सबसे लंबे समय का कार्यकाल रहा। डॉ सिंह ने सितम्बर 2021में नर्मदापुरम एसपी का कार्यभार संभाला था।

आरटीओ ने की वाहनों की जांच, 21 ऑटो किए जब्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

नर्मदापुरम की आरटीओ रिंकू शर्मा ने आज सुबह सड़कों पर दौड़ रही बसों और ऑटो की जांच की है।आरटीओ ने कुलामढ़ी रोड पर स्थित स्प्रिंगडेल्स स्कूल की बसों और ओवरलोडिंग आटो की जांच की। इस दौरान नियम विपरीत संचालन पर 21 आटो जब्त कर आरटीओ कार्यालय में खड़े किए गए। आटो में क्षमता से अधिक बच्चों को बैठने के लिए लगाए गए पटियों को निकाला गया।इसके अलावा बिना फिटनेस, पीयूसी और परमिट के दौड़ रही एक स्कूल की बस भी जब्त की गई।आर टी ओ रिंकु शर्मा ने बताया कि वाहनों के दस्तावेजों की बारीकियों से जांच की जा रही है। वहीं ऑटो चालकों से कागजात पूरे कर वाहन चलाने और ओवरलोडिंग नहीं करने के स्वघोषणा पत्र लिए जा रहे हैं।

17सितंबर से 2अक्टूबर तक मनाएंगे सेवा पखवाड़ा

पीडब्ल्यूडी एनएच और नपा को सड़कों के गड्ढों की मरम्मत करने के दिए निर्देश

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

संभागीय समय सीमा की बैठक में नर्मदापुरम संभाग कमिश्नर कृष्ण गोपाल तिवारी ने सभी विभाग प्रमुख को निर्देश दिए की आगामी 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक सेवा पखवाड़ा अभियान संचालित किया जाएगा। यह सेवा पखवाड़ा अभियान विश्वकर्मा जयंती से प्रारंभ होकर गांधी जयंती तक चलाया जाएगा। कमिश्नर ने सेवा पखवाड़ा अभियान के अंतर्गत सभी विभाग को अपने कार्यों का क्रियान्वयन करने के निर्देश दिए और इस अवधि में विभिन्न गतिविधियां आयोजित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर तिवारी ने लोक निर्माण विभाग एवं एन एच विभाग के अधिकारियों को सड़कों के गड्ढों की मरम्मत करने के निर्देश दिए। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को सभी अस्पतालों में ब्लड डोनेट कैंप आयोजित करने एवं आम नागरिकों के स्वास्थ्य परीक्षण के लिए स्वास्थ्य परिक्षण शिविर आयोजित करने के निर्देश दिए। कमिश्नर ने सभी नगर पालिका अधिकारियों को अभियान के अंतर्गत शहर की सड़कों के गड्ढे प्राथमिकता से ठीक करने के निर्देश दिए। कई जगह विद्युत पोल के झुकने, टूटने या टेढ़े होने की शिकायत मिल रही है साथ ही कुछ पोल सड़क निर्माण में बाधा उत्पन्न कर रहे हैं, ऐसे पोल को प्राथमिकता से हटाने और ठीक करने के निर्देश उन्होंने दिए।

रुपए वापस लौटाकर दिया मानवता का परिचय

गंजबासौदा, दोपहर मेट्रो

आज के दौर में रुपयों के लिए ईमान डगमगा जाता है। लेकिन ऐसे में शहर के एक व्यक्ति ने रुपए वापस कर ईमानदारी को मिशाल पेश की है इससे यह साबित होता है कि आज भी लोगों में ईमानदारी है और इसके प्रति सजग है। जानकारी के अनुसार मां शीतला इंडेन गैस एजेंसी के संचालक राजेश माहेश्वरी ने बताया कि गैस एजेंसी के एकाउंटेंट सुनील रघुवंशी ने एक अद्भुत उदाहरण प्रस्तुत किया। बैंक में सिलक जमा कराते समय भूलवश 10 हजार रुपए हमारे पास ही रह गए थे। बैंक में पूरी रकम जमा मान ली गई, लेकिन जब हमने मिलान किया तो पता चला रकम ज्यादा है। लेकर ऐसे समय में बहुत लोग चुप हो जाते हैं, लेकिन सुनील रघुवंशी ने अपनी सच्चाई और ईमानदारी से 10 हजार रुपए वापस बैंक में जमा कर दिए। हमें गर्व है कि हमारे साथ ऐसे साथी काम कर रहे हैं।

हरदा में युवा संगम 11को, युवाओं को मिलेगा रोजगार

हरदा, दोपहर मेट्रो

निजी क्षेत्र में रोजगार के लिए आईटीआई में एक दिनी रोजगार, स्वरोजगार, अप्रेंटिस मेले युवा संगम का आयोजन 11 सितंबर को किया जाएगा। जिला रोजगार अधिकारी लक्ष्मण सिंह सिलोटे ने बताया मेला सुबह 11 बजे से होगा। इसमें तकनीकी व गैर तकनीकी क्षेत्र में बेरोजगार युवक- युवतियों की भर्ती होगी। मेले में 5वीं, 8वीं, 10वीं, 12वीं, आईटीआई डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर 18 से 35 साल तक युवा भाग लेंगे। सभी मूल दस्तावेज अंकसूची, निवास प्रमाण-पत्र, जाति प्रमाण-पत्र, आधार कार्ड, राशन कार्ड और परिचय पत्र की फोटोकॉपी, समग्र आईडी, चार पासपोर्ट साइज फोटो जमा करना होगा।

नहर की जमीन को प्रशासन ने अतिक्रमण से कराया मुक्त

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

ग्राम डोलरिया तहसील में नहर की जमीन पर किए अतिक्रमण हटाने के लिए राजस्व, जल संसाधन विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई शुरू कर दी है। सोमवार को चिन्हित किए गए 20 अतिक्रमणों को हटाया गया है। ग्राम टिगरिया स्थित शासकीय भूमि खसरा नंबर 149, 150, 151 रकबा 3.533 एकड़ नहर विभाग के नाम पर दर्ज है। यहां लोगों ने कब्जा कर कच्चे और पक्के अतिक्रमण कर लिए थे। अतिक्रमण हटाकर प्रशानिक टीम ने जल संसाधन विभाग को कब्जा सौंपा दिया है। कार्रवाई में एसडीएम नीता कोरी, तहसीलदार डोलरिया सुनील गढ़वाल, नायब तहसीलदार पूनम सिंह सलामे, थाना प्रभारी डोलरिया खुमान सिंह पटेल, उपनहर अनुविभागीय अधिकारी प्रकाश काकडे मौजूद रहे।

मेट्रो एंकर — विधायक की अध्यक्षता में हुई बैठक में दिए दिशा-निर्देश

शहर में जल भराव की समस्या का समाधान कर अतिक्रमण हटाएं

नर्मदापुरम, दोपहर मेट्रो

बाजार क्षेत्र में जल भराव की समस्या को लेकर नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा की अध्यक्षता में सर्किट हाउस में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव, एसडीएम नीता कोरी, नगरपालिका के उपयंत्री अंबक पाराशर, रीना गुप्ता, स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी, तहसीलदार सहित भाजपा नेता लोकेश तिवारी, मंडल अध्यक्ष सागर शिवहरे, अर्पित मालवीय आदि उपस्थित रहे। बैठक के संबंध में नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती यादव ने बताया कि विधायक डॉ. सीताशरण शर्मा द्वारा निर्देशित किया गया कि बाजार क्षेत्र में जो जलभराव की समस्या उत्पन्न हो रही है उसका स्थाई समाधान निकालें। नपा के उपयंत्री और स्वच्छता निरीक्षक इस संबंध में नई प्लानिंग करें। जिससे कि बाजार क्षेत्र में दोबारा जल भराव की समस्या उत्पन्न न हो। किसी ने भी नाले नालियों पर अतिक्रमण किया हो उस अतिक्रमण को हटाएं। इस कार्य के लिए स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी को प्रभारी बनाया गया है।

नक्सली मुठभेड़ में सीआरपीएफ का जवान शहीद

कटनी, दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम निटर्रा निवासी नीलेश गर्ग नक्सलियों से हुई मुठभेड़ में देश की रक्षा करते हुए शहीद हो गए। यह मुठभेड़ सोमवार देर रात छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में हुई। नीलेश गर्ग के शहीद होने की खबर जैसे ही उनके गांव पहुंची वहां सन्नाटा छा गया। घटना सेगांव और जिले में शोक की लहर है। 24 घंटे बाद बुधवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा। जानकारी के अनुसार, मुठभेड़ की आधिकारिक सूचना मंगलवार को परिजनों को दी गई। बताया जा रहा है कि आज की शाम तक शहीद नीलेश का पार्थिव शरीर कटनी पहुंचेगा। बुधवार को पूरे राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार किया जाएगा।शहीद की खबर से गांव और जिले में शोक की लहर है। परिजनों का कहना है कि भले ही नीलेश अब हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उन्हें गर्व है कि उनका बेटा देश की सेवा करते हुए शहीद हुआ। गांव के लोग भी शहीद नीलेश को श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं और उनके साहस एवं बलिदान को नमन कर रहे हैं।

अनदेखी: औबेदुल्लागंज में कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र की दुर्दशा

बजट न मिलने से किसानों को नहीं मिलता प्रशिक्षण, स्टाफ का भी टोटा

केंद्र में 19 स्वीकृत पदों में से मात्र छह कर्मचारी ही पदस्थ

औबेदुल्लागंज, दोपहर मेट्रो

नगर का एकमात्र कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र औबेदुल्लागंज सुविधाओं और स्टाफ की भारी कमी से जूझ रहा है। सरकार जहां कृषि को लाभ का धंधा बनाने के लिए अनेक योजनाएं चला रही है, वहीं इस केंद्र की उपेक्षा किसानों को उन्नत खेती के प्रशिक्षण से वंचित कर रही है। जानकारी के अनुसार केंद्र में 19 स्वीकृत पदों में से मात्र 6 कर्मचारी ही पदस्थ हैं, शेष पद वर्षों से रिक्त पड़े हैं। बजट न मिलने से बीते दो वर्षों से किसानों के लिए एक भी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित नहीं हो पाया। जबकि इस केंद्र पर भोपाल, रायसेन, राजगढ़ और विदिशा जिलों के किसानों को मृदा परीक्षण, बीजों की उन्नत किस्म, खरीफ-रबी फसलों की सावधानियां, वर्मी कंपोस्ट व जैविक खाद निर्माण जैसी महत्वपूर्ण जानकारियां दी जानी चाहिए थीं।

प्रशिक्षण से किसान अच्छी खेती कर बढ़ा सकते हैं आय

कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण केंद्र का अपना भवन, हॉस्टल और कार्यालय होने के बावजूद प्रशासनिक उपेक्षा व बजट अभाव से यहां किसान खाली हाथ लौट रहे हैं। अधिकारी भी स्टाफ की कमी और बजट न मिलने से असहाय हैं। किसानों का कहना है कि यदि समय पर प्रशिक्षण मिले तो वे आधुनिक खेती अपनाकर उत्पादन व आय दोनों बढ़ा सकते हैं। अब देखना होगा कि कब वरिष्ठ अधिकारियों की नजर इस ओर पड़ती है और किसानों के लिए यह केंद्र फिर से सक्रिय होता है।

"हमारे यहां समसामयिकी विषय पर किसानों को प्रशिक्षण दिया जाता हैं । जिसमें पौध प्रबंधन, भण्डारण प्रबंधन, रोग प्रबंधन रवि और खरीफ की फसलों की सम्पूर्ण जानकारी देना प्रस्तावित हैं लेकिन यहाँ बजट की कमी और खाली पड़े पदों के कारण पिछले 1 साल से कोई प्रशिक्षण नही दे पाएं हैं वरिष्ठ कार्यालय को भी इस बात से अवगत करा चुके हैं।

-सतीश देशमुख, वरिष्ठ कृषि विस्तार एवं प्रशिक्षण अधिकारी औबेदुल्लागंज"

विधायक के सड़क पर उतरे, जागा नगरनिगम

तीनबत्ती से राधा तिराहा तक दुकानों को कराया व्यवस्थित

दी चेतावनी: फिर से अतिक्रमण किया तो होगी सख्त कार्रवाई

सागर, दोपहर मेट्रो

पिछले दिनों शहर की यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने सड़क पर उतरे विधायक शैलेन्द्र जैन के बाद नगर निगम प्रशासन भी जागा है। आज नगर निगम के अतिक्रमण दस्ते के साथ पुलिस ने कटरा बाजार में मुहिम चलाई।

नगर निगम आयुक्त राजकुमार खत्री के निर्देशानुसार नगर की यातायात व्यवस्था के सुचारू संचालन के लिए शहर के मुख्य बाजार तीनबत्ती से राधा तिराहा, विजय टाकीज चौराहा तक यातायात व्यवस्था में बाधक बन रहीं दुकानों को व्यवस्थित करने की कार्रवाई की गई। तीनबत्ती से कटरा मस्जिद एवं विजय टाकीज चौराहा तक हाथठेला पर दुकान लगाने वालों को अनाउंसमेंट कर हिदायत भी दी जा रही थी कि पीली लाईन के अंदर दुकानें लगाए अन्यथा की स्थिति में सड़क पर हाथठेला, गुमटी पाए जाने पर उसे जप्त कर चालानी कार्रवाई की कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही तीनबत्ती से कटरा मस्जिद तक सभी वाहन लाइन के भीतर खड़े न होने पर संबंधित वाहन मालिक के विरुद्ध भी कार्रवाई होगी। कार्रवाई के दौरान उपायुक्त डा.एसएस बघेल सहित नगर निगम की अतिक्रमण टीम के कर्मचारी एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारी उपस्थित थे।

किसान बोले- फसल का सर्वे नहीं हो रहा

मंदसौर। प्रदेश में अति वर्षा के चलते कई जिलों और तहसील में फैसले चरपट हो चुकी हैं जिससे किसान अब परेशान हो रहे हैं। मंदसौर जिले की गरोठ तहसील के किसानों ने सोमवार दोपहर फसल नुकसान को लेकर तहसीलदार अर्जुन भदोरिया को ज्ञापन दिया। फुलखेड़ा, पिपलिया और मोहम्मद मांणकी गांव के किसान नष्ट हुई फसलों के साथ तहसील कार्यालय पहुंचे। किसानों ने बताया कि अति वर्षा और पीले मोजेक बीमारी से फसलें बर्बाद हो गई हैं। उनका कहना है कि अभी तक कोई सर्वे दल उनके गांवों में नहीं पहुंचा। किसानों ने चेतावनी दी कि वे जल्द ही अगली फसल की तैयारी के लिए खेतों की जुताई शुरू कर देंगे। ऐसे में बाद में किया गया सर्वे बेमानी हो जाएगा। किसान ललित चंदेल, बालूसिंह, कालू सिंह, मंगू सिंह और गोवर्धन सिंह समेत कई किसानों ने ज्ञापन दिया। उन्होंने शीघ्र कार्रवाई की मांग की। किसानों ने कहा कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गई तो वे बड़े पैमाने पर प्रदर्शन करेंगे। प्राकृतिक आपदा और प्रशासनिक विलंब से क्षेत्र के किसान दोहरी मार झेल रहे हैं। समय पर मुआवजा न मिलने से उनकी आर्थिक स्थिति और खराब हो रही है।

ब्रिज का पानी निकालो वरना होगा आंदोलन

देवास। देवास जिले के मेढ़की रोड स्थित रेलवे अंडर ब्रिज में पिछले तीन दिनों से बारिश का पानी जमा है। इस कारण अंडर ब्रिज से आवागमन पूरी तरह बंद है। रेलवे के अधिकारियों ने ब्रिज का निरीक्षण किया। उन्होंने करीब एक घंटे तक ब्रिज के आसपास का जायजा लिया। रेलवे के सहायक मंडल इंजीनियर ने पानी जमा होने के लिए नगर निगम को जिम्मेदार ठहराया। उनका कहना है कि सड़क का पानी ब्रिज में आ रहा है, जिसे नगर निगम को रोकना चाहिए। इंजीनियर ने स्वीकार किया कि ब्रिज में सीपेज की समस्या है। उन्होंने कहा कि इसकी मरम्मत और मेंटेनेंस करवा दी जाएगी। पार्षद और नेता प्रतिपक्ष प्रतिनिधि राहुल पवार ने इस मामले में अलग राय रखी। उन्होंने कहा कि कई बार आंदोलन और शिकायतों के बाद रेलवे अधिकारी यहां पहुंचे हैं। उनका कहना है कि अधिकारी अपनी गलती मानने को तैयार नहीं हैं। पवार ने ठेकेदार पर कार्रवाई न होने का भी आरोप लगाया। लोगों को चार दिनों से लंबा रास्ता तय करना पड़ रहा है। पार्षद ने चेतावनी दी है कि अगर आज ब्रिज से पानी नहीं निकाला गया तो वे उग्र आंदोलन करेंगे।

गौरैया नदी पर सुबह से उमड़े श्रद्धालु, पितरों का किया तर्पण

तेंदूखेड़ा दोपहर मेट्रो

पितृ पक्ष के अवसर पर सोमवार को गौरैया नदी के तट पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही लोग अपने पितरों का तर्पण, पिंडदान और जलांजलि की विधि-विधान से पूजा करते नजर आए। नदी तट पर धर्माचार्यों के मंत्रोच्चार के साथ पूजन कर रहे हैं। यह दृश्य न केवल धार्मिक आस्था का प्रतीक है, बल्कि भारतीय संस्कृति में पूर्वजों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता की परंपरा को भी दर्शाता है। महिलाएं, पुरुष, वृद्ध और युवा–सभी वर्गों के लोग नदी तट पर पितरों की शांति और मोक्ष के लिए तर्पण कर रहे हैं। संस्कृत मंत्रों की गूंज और भक्तों की श्रद्धा ने वातावरण को भावुक और आध्यात्मिक बना दिया है। संस्कृति की जीवंत झलक आधुनिकता के दौर में भी लोग अपनी परंपराओं और संस्कृति से जुड़े हुए हैं। पितृ पक्ष न केवल धार्मिक कर्तव्य का समय है, बल्कि यह परिवार, समाज और आत्मा की शुद्धि का अवसर भी है।

गौरैया नदी पर चल रहे तर्पण कार्यक्रम में यह स्पष्ट दिखाई दे रहा हैं कि

देवल गौशाला की 10 एकड़ जमीन से हटाया कब्जा

जमीन के विवाद पर हुई थी सरपंच की हत्या

सागर, दोपहर मेट्रो

बीना के ग्राम देवल में प्रस्तावित गौशाला की जमीन पर हुए अतिक्रमण को प्रशासन ने आज हटाने की कार्यवाई की गई है। गौरतलब है कि इसी जमीन के विवाद पर बीते दिनों सरपंच लाखन यादव की हत्या कर दी गई थी। जानकारी के अनुसार

कलेक्टर संदीप जीआर के निर्देश पर बीना के प्रस्तावित देवल ग्राम की गौशाला की दस एकड़ जमीन से अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की गई। बीना एसडीएम विजय डेहरिया ने बताया कि देवल ग्राम में 412 एकड़ में अत्याधुनिक गौशाला प्रस्तावित की गई है, जिसमें कुछ लोगों के द्वारा अतिक्रमण किया गया था। उन्होंने बताया कि राजस्व विभाग, पुलिस विभाग एवं पंचायत के द्वारा संयुक्त रूप से जांच करने पर कुछ लोगों के द्वारा लगभग 10 एकड़ जमीन पर फेंसिंग एवं टपरा बनाकर अतिक्रमण किया गया था। जिसकी कीमत लगभग 50 लाख रुपए से अधिक आंकी गई है उस पर कार्रवाई की गई। उन्होंने बताया कि गौशाला की भूमि पर फेंसिंग लगाकर और टपरा बनाकर अवैध रूप से कर कब्जा किया गया था। जिसको जेसीबी के माध्यम से हटाने की कार्रवाई की गई है. उन्होंने बताया कि इसी प्रकार आगे भी जांच कर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई लगातार की जाती रहेगी।

पर्युषण पर्व का समापन: जैन समाज ने रक्तदान कर किया जागरुक

विशाल रजक, तेंदुखेड़ा

पर्वराज पर्युषण के समापन पर जहां सभी जगह भगवान श्रीजी की शोभायात्रा निकाली गई तो वहीं समनापुर ग्राम में जैन समाज के लोगों ने पर्व के समापन के मौके पर रक्तदान कर लोगों को जागरूक किया विधायक प्रतिनिधि चेतन जैन ने कहा कि अगर हमारा एक छोटा सा प्रयास अगर किसी जरूरतमंद को जीवन दे सकता है तो हमें हमेशा प्रयास करते रहना चाहिए दरअसल तेंदूखेड़ा ब्लॉक के समनापुर ग्राम में जैन समाज द्वारा रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें जैन समाज के लोगों एवं समाजसेवी

शिविर में युवाओं ने उत्साह से लिया भाग

युवाओं ने बड़े उत्साह से भाग लिया। ब्लड डोनेट किया साथ ही लोगों को रक्तदान कर लोगों को जिंदगी बचाने के लिए प्रेरित किया गया जहां शिविर में

पूर्व सरपंच संदीप सिंघई आशीष जैन चेतन जैन शरद जैन अतुल जैन राहुल जैन सचिन जैन अमित जैन प्रशांत जैन पारस जैन दशरथ रजक संगीता जैन रीता जैन जुही जैन आदि ने रक्तदान किया और लोगों को भी रक्तदान करने जागरूक किया

रक्तदान से बढ़कर कोई दान नहीं है इसकी पूर्ति केवल रक्तदान से ही हो सकती है इस उद्देश्य के साथ हम सभी को मिलकर हमेशा रक्तदान करने के लिए आगे आना चाहिए मैं भी इस नेक काम के लिए स्वेच्छा से रक्तदान करने पहुंचा था हमारे इस प्रयास से किसी भी व्यक्ति की जान बच सकती है

-संदीप सिघई, पूर्व सरपंच समनापुर

मानव होने के नाते हमें जरूरतमंद के लिए रक्तदान जरूर करना चाहिए। क्योंकि ऐसा करके हम किसी को नया जीवन दे सकते हैं। रक्दान के संबंध में जो भ्रांतियां फैलाई गईहैं, उनमें जरा भी सच्चाई नहीं है। हकीकत ये है कि रक्तदान करने से शरीर कमजोर नहीं होता बल्कि कई बीमारियों से बचाव होता है।

-अतुल जैन, समनापुर

रक्त के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती है। इसलिए जब भी किसी व्यक्ति को खून की आवश्यकता हो तो बिना झिझक रक्तदान करें। रक्तदान से बड़ा कोई दान नहीं इससे बहुत पुण्य मिलता है

-अमित जैन समनापुर

देखने में आता है कि किसी रेयर ग्रुप का रक्त ब्लड बैंक में न होने एवं रक्तदाता न मिलने से मरीज की जान तक चली जाती है। इसलिए मैंने रक्त दान किया है, ताकि खून के आभाव में किसी की जान न जाए। वह कहते हैं कि प्रत्येक लोगों को अपने जीवन में रक्तदान जरूर करना चाहिए। इससे हम किसी की जान बचा सकते हैं

-शरद जैन समनापुर

धर्मांतरण का मामला: चार आरोपियों को भेजा जेल

रतलाम। प्रदेश के रतलाम में इलाज के बहाने धर्मांतरण कराने के आरोप में पकड़े गए चार आरोपियों में से तीन को जेल भेज दिया गया। एक आरोपी विक्रम सिंह (35) को पुलिस ने कोर्ट से एक दिन का रिमांड लिया है। पुलिस अब पूछताछ कर यह पता लगाएगी कि इस मामले में और कौन-कौन शामिल था। 5 सितंबर को थाना औद्योगिक क्षेत्र अंतर्गत टैंकर रोड पर एक झोपड़ी में इलाज कराने के बहाने धर्मांतरण की सूचना मिली। हिंदू संगठनों के पदाधिकारियों ने मौके पर जांच की और चार लोगों को पकड़ा। घर का मालिक मौके से भाग गया था, जिसे बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया।मौके पर काफी संख्या में जनजातीय लोग, जिसमें महिलाएं और बच्चे शामिल थे, प्रार्थना और इलाज कराने पहुंचे थे। जांच में वहां बाइबल और क्रॉस भी मिले। पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ मध्यप्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 2021 की धारा 3 और 5 के तहत केस दर्ज किया। रविवार को चारों को विशेष कोर्ट में पेश किया गया। तीन आरोपियों को जेल भेजा गया और एक को पुलिस रिमांड मिला।

युवक ने लगाई फांसी, पड़ताल जारी

तेंदूखेड़ा। थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम जामुन के आश्रित ग्राम पिडंरई में एक युवक द्वारा अज्ञात कारणों के चलते फांसी लगाकर आत्महत्या करने मामला सामने आया है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू की गई। एएसआई गजराज सिंह ठाकुर ने बताया कि सुखचैन पिता दस्सू पाल उम्र 21 वर्ष निवासी पिंडरई थाना तेंदूखेड़ा ने गांव के बाहर जंगल में तेंदू के पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर पंचनामा कार्रवाई करते हुए शव को फंदे से उतारकर तलाशी ली गई व शव को पोस्टमार्टम के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

पत्नी की मौत से गमजदा वकील ने फांसी लगाई, मौत

सागर, दोपहर मेट्रो

गोपालगंज थाना तहत वृन्दावन वार्ड निवासी एक वकील ने घर में फांसी लगाकर खुदकुशी करली। वकील पत्नी की एक साल पहले हुई मौत से दुखी था।

घटना की जानकारी मिलते ही थाना पुलिस पहुंची। पुलिस ने बताया कि सोमवार की दोपहर सूचना मिली थी कि वंदावन वार्ड के अहमदनगर निवासी एडवोकेट रामेश्वर प्रसाद पिता शिवप्रसाद पटेल 50 वर्ष ने अपने घर के एक कमरे में रस्सी का फंदा बनाकर फांसी लगा ली है। इस दौरान मृतक के भाई और सूचनाकर्ता नरेन्द्र कुमार पटेल ने पुलिस को बताया कि मेरे बड़े भाई रामेश्वर प्रसाद की पत्नी पूजा पटेल की मौत करीब एक साल पहले हो गई थी। तभी से वह उनके गम में रहते थे। संभवतः इसी ग़म में उन्होंने आत्महत्या की है। पुलिस ने मर्ग कायम कर विवेचना में लिया है।

मेट्रो एंकर पांच दिवसीय 69वीं राज्य स्तरीय ताइक्वांडों शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता सागर में शुरु, कलेक्टर बोले-

खेल में जीतते हैं, सीखते हैं लेकिन हारते नहीं, खेलते रहिए और आगे बढ़ते रहिए

सागर, दोपहर मेट्रो

पांच दिवसीय 69वीं राज्य स्तरीय ताइक्कांडो शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता सागर में शुरु हुई. प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, जनजातीय कार्य विभाग, नर्मदापुरम, रीवा संभाग, सागर एवं उज्जैन संभाग के लगभग 375 से अधिक प्रतियोगी शामिल हुए। प्रतियोगिता के शुभारंभ कार्यक्रम में कलेक्टर संदीप जी आर ने कहा कि खेल में जीतते हैं, सीखते हैं लेकिन हारते नहीं। खेलते रहिए और आगे बढ़ते रहिए।

इस अवसर संभागों से आए खिलाड़ी, जोनल मैनेजर एवं स्थानीय अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर ने कहा कि खेल को पूरी खेल भावना एवं ईमानदारी के साथ खेले और आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि किसी भी

खेल में कोई भी हारता नहीं है केवल कुछ कमी के कारण वह पीछे हो जाता है और सामने वाला आगे निकल जाता है। आप लगातार कोशिश करें और आगे बढ़े। उन्होंने कहा कि खिलाड़ी हमेशा सफलता की ओर बढ़ता है और वह जिस क्षेत्र में भी आगे बढ़ता है सफल रहता है इसलिए खेल जरूरी है। संयुक्त संचालक लोक शिक्षण मृत्युंजय कुमार ने कहा कि पहले कहावत थी पढ़ोगे लिखोगे बनोगे नवाब और खेलोगे कूदोगे तो होंगे बर्बाद, किन्तु अब यह कहावत बदल गई है। आप पढ़ोगे लिखोगे के साथ खेलोगे कूदोगे तो बनोगे नवाब हो गई है। इसलिए पढ़ाई के साथ खेलना भी आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सभी खिलाड़ियों को दुनिया में मुझसे आगे कोई नहीं इसी भावना के साथ खेलना चाहिए और आगे बढ़ना चाहिए। जिला शिक्षा अधिकारी अरविंद जैन ने कहा कि प्रतियोगिता 8 सितंबर से 12 सितंबर तक चलेगी, जिसमें खेल ताइक्वाडों बालक,बालिका 14,17 वर्ष के खेल खेले जाएंगे। डीईओ ने बताया कि प्रतियोगिता में सहभागी संभाग भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर, जनजातीय कार्य विभाग, नर्मदापुरम, रीवा, संभाग, सागर एवं उज्जैन संभाग के लगभग 375 से अधिक प्रतियोगी शामिल हुए। समारोह में कलेक्टर संदीप जी आर ने प्रतियोगिता के शुभारंभ की घोषणा की एवं सभी को शपथ दिलाई। इस अवसर पर सहायक संचालक उषा जैन, अभय श्रीवास्तव, कल्पना शर्मा, संध्या गौतम, मनोज तिवारी, शैलेंद्र जैन अखिलेश मिश्रा, रविंद्र खटोल सहित अन्य अधिकारी एवं सभी संभागों से आज जनरल मैनेजर मौजूद थे।

तूलिका मान, मान ने किया पालन-पोषण

संघर्ष और सहनशीलता के साथ जूडोका में लिखी सफलता की कहानी

नई दिल्ली , एजेंसी

जूडो एक ऐसा खेल हैं, जिसका नाम जेहन में आते ही जूडो-कराटे की याद आ जाती है। हालांकि जूडो और कराटे में बहुत अंतर है, जो कम ही लोगों को पता है। इसके साथ ही यह भी पता चलता है कि इस खेल के बारे में हम कितना कम जानते हैं, और उतना ही कम हम जान पाते हैं इस खेल में नाम कमाने के लिए होने वाले संघर्ष और मेहनत के बारे में। इसी संघर्ष, मेहनत और तपस्या की प्रतीक हैं तूलिका मान, जिनका जन्म 9 सितंबर के दिन हुआ था।

जूडो एक ऐसा खेल हैं, जिसका नाम जेहन में आते ही जूडो-कराटे की याद आ जाती है। हालांकि जूडो और कराटे में बहुत अंतर है, जो कम ही लोगों को पता है। इसके साथ ही यह भी पता चलता है कि इस खेल के बारे में हम कितना कम जानते हैं, और उतना ही कम हम जान पाते हैं इस खेल में नाम कमाने के लिए होने वाले संघर्ष और मेहनत के बारे में। इसी संघर्ष, मेहनत और तपस्या की प्रतीक हैं तूलिका मान, जिनका जन्म 9 सितंबर के दिन हुआ था। जूडो आसान खेल नहीं है। खुद तूलिका ने एक इंटरव्यू के दौरान कहा था कि फुटबॉल के बाद यह दुनिया का दूसरा ऐसा खेल है जहां मानसिक और शारीरिक पराक्रम का कड़ा इम्तिहान होता है। जूडो आत्म-नियंत्रण, रणनीति और सहनशीलता का मेल है। यह खेल जापान की धरती से जन्मा है, इसलिए इसमें अनुशासन और प्रतिद्वंद्वी को दिया जाने वाला सम्मान विशेष और सर्वोपरि होता है। जूडो ऐसा खेल नहीं है जहां आक्रामकता का खुला प्रदर्शन होता है। आधुनिक मार्शल आर्ट का यह एक ऐसा रूप है जहां ओलंपिक मेडल भी दांव पर लगे हुए हैं।

भारत परंपरागत रूप से जूडोका में एक पावर हाउस नहीं रहा है। ऐसे में एक लड़की के तौर पर जूडोका में अपनी पहचान बनाना तूलिका के लिए दोहरी उपलब्धि है। हालांकि तूलिका मानती हैं कि उन्हें जूडोका बनने में एक लड़की होना कभी आड़े नहीं आया। लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि उनके लिए चीजें बहुत आसान थीं। उन्होंने बचपन में अपने पिता को खो दिया था। तूलिका ने एक इंटरव्यू में बताया था कि पिता के खोने का असली दर्द और नुकसान उनकी मां को झेलने पड़ा। जब पिता नहीं रहे तो उनकी उम्र महज सात साल थी। उन्हें नहीं पता चला कि इतनी कम उम्र में पिता को खोने के मायने क्या होते हैं, तो इसकी वजह उनकी मां थीं। तूलिका अपनी मां को रियल हीरो बताती हैं।

जूडो के प्रति जगी थी दिलचस्पी

साल 1998 में जन्मी तूलिका का पालन-पोषण केवल उनकी मां ने किया था। मां अमृता मान ने परिवार के भरण-पोषण के लिए अपनी नौकरी की जिम्मेदारी के साथ-साथ तूलिका को एक जूडोका बनाने में भी पूरा योगदान दिया। बचपन में जूडो तूलिका के लिए वह खेल नहीं था जिसमें उनको करियर बनाना था। मां के ड्यूटी पर जाने के बाद बचपन में तूलिका को घर पर अकेला रहना होता। यह तूलिका के लिए काफी बोरियत भरा था। तूलिका ने तब महज अपना मन लगाने के लिए जूडो को एक गतिविधि के तौर पर लेना शुरू किया था। यहीं से तूलिका ने जूडो क्लास में जाना शुरू कर दिया था और जूडो के प्रति उनमें दिलचस्पी जगी। चौथी क्लास से ही जूडोका के लिए तूलिका की प्रैक्टिस शुरू हो चुकी थी। तूलिका की मेहनत, लगन और स्वाभाविक प्रतिभा ने उन्हें इस खेल में आगे बढ़ाया। बचपन में जब वह क्लास में होती थीं, तो सहपाठी उन्हें टॉम ब्वाय बोलते थे। उनका अंदाज ही कुछ ऐसा था। तूलिका ने जूनियर स्तर पर कई मेडल जीतकर अपने टैलेंट की बानगी दिखा दी थी। इसके बाद उन्होंने नेशनल जूनियर लेवल पर भी सिल्वर मेडल जीता।

शेड्यूल से लेकर स्क्वॉड तक, जानें हर सवाल का जवाब

एशिया कप के लिए आज से संग्राम 14 को होगा हाईवोल्टेज मुकाबला

नई दिल्ली , एजेंसी

एशिया कप क्रिकेट टूर्नामेंट 2025 का आगाज आज 9 सितंबर से होने जा रहा है। एशिया कप का उद्घाटन मुकाबला आज अफगानिस्तान और हॉन्ग कॉन्ग के बीच अबू धाबी के शेख जायद स्टेडियम में खेला जाएगा। जबकि भारतीय टीम अपने अभियान की शुरुआत 10 सितंबर को दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ मुकाबले से करेगी। फिर उसे 14 सितंबर (रविवार) को दुबई के मैदान पर ही चिर-प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान का सामना करना है।

पहली बार एशिया कप में आठ टीमें भाग लेने जा रही हैं, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। ग्रुप-ए में भारत, पाकिस्तान, ओमान और यूएई को रखा गया है। जबकि ग्रुप-बी में हॉन्ग कॉन्ग, अफगानिस्तान, श्रीलंका और बांग्लादेश की टीमें हैं। दोनों ग्रुप में टॉप पर रहने वाली दो-दो टीमों को सुपर-4 स्टेज में जगह बनाने का मौका मिलेगा। सुपर-चार राउंड में टॉप पर जो दो टीम्स रहेंगी, उनके बीच 28 सितंबर को खिताबी मुकाबला खेला जाएगा।

एशिया कप 2025 के सभी मैचों का भारत में टीवी पर सीधा प्रसारण सोनी स्पोर्ट्स नेटवर्क करेगा। सोनी लिव ऐप और उसके वेबसाइट पर भी एशिया कप मैचों की लाइव स्ट्रीमिंग उपलब्ध रहेगी। एशिया कप में इस बार कुल 19 मुकाबले खेले जाने हैं। इनमें से 18 मुकाबले भारतीय समयानुसार रात 8 बजे से शुरू होंगे। केवल 15 सितंबर को यूएई vs ओमान के बीच होने वाला मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 5.30 बजे स्टार्ट होगा।

एशिया कप में कौन-कौन बना चैम्पियन?

एशिया कप का यह 17वां संस्करण है। इस बार एशिया कप टी20 फॉर्मेट में होने जा रहा है। 2016 और 2022 में भी टी20 फॉर्मेट में इसका आयोजन हुआ था। बाकी के 14 संस्करण का आयोजन ओडीआई प्रारूप में हुआ। भारत एशिया कप की सबसे सफल टीम है और वो अब तक 8 बार खिताब जीत चुकी है। भारतीय टीम 1984 (पहला संस्करण), 1988, 1990-91,1995, 2010, 2016, 2018 और 2023 में चैम्पियन बनी। जबकि श्रीलंका ने 6 बार (1986, 1997, 2004, 2008, 2014, 2022) और पाकिस्तान ने 2 बार (2000, 2012) खिताब जीता।

कौन है मेजबान, कहां-कहां होंगे मैच?- भारतीय क्रिकेट नियंत्रण बोर्ड एशिया कप का आधिकारिक मेजबान है, लेकिन सभी मैच यूएई में खेले जाएंगे। भारत-पाकिस्तान के बीच रिश्ते तनावपूर्ण हैं, इसलिए भारतीय धरती पर सारे मैचों का आयोजन मुश्किल था। बीसीसीआई को पाकिस्तान से जुड़े मुकाबले किसी न्यूट्रल वेन्यू पर कराने पड़ते, ठीक वैसे ही जैसे चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 में भारत के मुकाबले दुबई में हुए थे। इसी वजह से पूरा टूर्नामेंट ही यूएई में कराने का फैसला लिया गया। एशिया कप के मुकाबले दुबई (दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम) और अबू धाबी (शेख जायद स्टेडियम) में होंगे।

नेपाल एशिया कप में क्यों नहीं भाग ले रहा?

एशिया कप 2025 के लिए भारत, श्रीलंका, पाकिस्तान, बांग्लादेश और अफगानिस्तान को डायरेक्ट प्रवेश मिला। वहीं ओमान, यूएई और हॉन्ग कॉन्ग ने क्वालिफाइंग टूर्नामेंट (एसीसी मेन्स प्रीमियर कप 2024) के जरिए एंट्री पाई। नेपाल की टीम ओमान में हुए एसीसी मेन्स प्रीमियर कप 2024 में चौथे स्थान पर रही थी, जिसके चलते उसे एशिया कप में भाग लेने का मौका नहीं मिला है।

8 टीमों के स्क्वॉड्स पर नजर डालते है

भारत: सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल (उप-कप्तान), अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, शिवम दुबे, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, कुलदीप यादव, संजू सैमसन (विकेटकीपर), हर्षित राणा, रिंकू सिंह, जसप्रीत बुमराह और वरुण चक्रवर्ती।

पाकिस्तान: सलमान अली आगा (कप्तान), अबरार अहमद, फहीम अशरफ, फखर जमां, हारिस रऊफ, हसन अली, हसन नवाज, हुसैन तलत, खुशदिल शाह, मोहम्मद हारिस, मोहम्मद नवाज, मोहम्मद वसीम जूनियर, सलमान मिर्जा, शाहीन आफरीदी, सुफियान मुकीम, साहिबजादा फरहान और सैम अयूब।

श्रीलंका: चरिथ असलंका (कप्तान), पथुम निसंका, कुसल मेंडिस, कुसल परेरा, नुवानीदु फर्नांडो, कामिंदु मेंडिस, कामिल मिशारा, दासुन शनाका, वानिंदु हसारंगा, डुनिथ वेलालगे, दुष्मंथा चमीरा, बिनुरा फर्नांडो, चमिका करुणारत्ने, महीश तीक्षणा, नुवान तुषारा और मथीशा पथिराना।

बांग्लादेश: लिटन दास (कप्तान), तंजीद हसन, परवेज हुसैन इमोन, सैफ हसन, तौहीद हृदोय, जेकर अली अनिक, शमीम हुसैन, काजी नुरुल हसन सोहन, महेदी हसन, रिशाद हुसैन, नसुम अहमद, शोरिफुल इस्लाम, मोहम्मद सैफुद्दीन, मुस्ताफिजुर रहमान, तंजीम हसन साकिब और तस्कीन अहमद।

हॉन्ग कॉन्ग: यासिम मुर्तजा (कप्तान), बाबर हयात, जीशान अली, निजाकत खान, नसरुल्ला राणा, मार्टिन कोएट्जी, अंशुमन रथ, कल्हान मार्क चल्लू, आयुष आशीष शुक्ला, मोहम्मद एजाज खान, आदिल महमूद, हारून मोहम्मद अरशद, अली हसन, शाहिद वासिफ, गजनफर मोहम्मद, मोहम्मद वहीद, अनस खान, एहसान खान, अतीक उल रहमान इकबाल और किंचित शाह।

ओमान: जतिंदर सिंह (कप्तान), हम्माद मिर्जा, विनायक शुक्ला, सुफियान यूसुफ, आशीष ओडेडेरा, आमिर कलीम, मोहम्मद नदीम, सुफियान महमूद, आर्यन बिष्ट, करण सोनावले, फैसल शाह, मोहम्मद इमरान, नदीम खान, शकील अहमद, समय श्रीवास्तव, जिकरिया इस्लाम और हसनैन अली शाह।

संयुक्त अरब अमीरात: मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पाराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, मुहम्मद रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान, मुहम्मद फारूक और मुहम्मद जवादुल्लाह।

अफगानिस्तान: राशिद खान (कप्तान), रहमानुल्लाह गुरबाज, इब्राहिम जादरान, दरविश रसूली, सेदिकुल्लाह अटल, अजमतुल्लाह उमरजई, करीम जनत, मोहम्मद नबी, गुलबदीन नायब, शराफुद्दीन अशरफ, मोहम्मद इशाक, मुजीब उर रहमान, फरीद मलिक, नवीन उल हक, फजलहक फारूकी, अल्लाह गजनफर और नूर अहमद।

अब क्रिस गेल ने अनिल कुंबले पर लगाए कई आरोप,

विराट कोहली से लड़ाई के चलते छोड़ना पड़ा था हेड कोच का पद, विवादों से भरा रहा था कार्यकाल

नई दिल्ली , एजेंसी

टीम इंडिया के दिग्गज खिलाड़ी रहे अनिल कुंबले का बतौर कोच कार्यकाल विवादों से भरा रहा है। अनिल कुंबले 2016 से 2017 तक भारतीय टीम के हेड कोच रहे और इसके बाद 2020 से 2022 तक वह आईपीएल की टीम पंजाब किंग्स के हेड कोच रहे। जब कुंबले ने भारतीय टीम की कोचिंग संभाली, तो उम्मीदें बहुत बड़ी थीं। लेकिन एक साल बाद ही उनका कार्यकाल खत्म हो गया। माना जाता है कि कुंबले को ये पद इसलिए छोड़ना पड़ा था क्योंकि उस समय के

कप्तान विराट कोहली से उनकी तीखी बहस हो गई थी और ये मनमुटाव इतना बढ़ा की कुंबले को पद छोड़ना पड़ा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, 2017 चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में पाकिस्तान से हार के बाद कुंबले ने खिलाड़ियों को फटकार लगाई थी। यह बात कोहली को नागवार गुज़री और कुछ ही समय बाद कुंबले को पद छोड़ना पड़ा। 2018 में पंजाब किंग्स से जुड़े क्रिस गेल का 2019 तक अच्छा प्रदर्शन रहा, लेकिन बाद में उनका फॉर्म गिरा।

एशिया कप में 3 स्पिनर के साथ उतरेगा भारत?

स्पिनर कुलदीप यादव को पहले मुकाबले में मिल सकता है मौका

नई दिल्ली। एशिया कप के पहले मैच में भारतीय टीम का प्लेइंग इलेवन कैसा होगा, हर कोई जानना चाहता है। टीम के गेंदबाजी कोच मोर्ने मोर्केल ने कहा है कि एशिया कप के लिए दुबई की पिचें चैंपियंस ट्रॉफी के समय की पिचों से अलग होंगी। ऐसे में भारत शायद पूरी स्पिन आक्रमण के साथ नहीं जाएगा। इसका फैसला यूएई के खिलाफ 10 सितंबर को होने वाले मैच से पहले लिया जाएगा। ऐसे में कुलदीप यादव को मौका दिया जा सकता है। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने चार स्पेशलिस्ट स्पिनर को मैदान में उतारा था। कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा टीम की

तरफ से खेलते नजर आए थे। इस बार उनके पास केवल पहले तीन ही उपलब्ध हैं, क्योंकि जडेजा ने 2024 टी20 वर्ल्ड कप जीतने के बाद टी20आई से संन्यास ले लिया है। भारत ने मार्च में चैंपियंस ट्रॉफी जीता था और टीम के गेंदबाजी कोच ने बताया कि ये सितंबर महीना है दुबई की पिचें अधिक हरी और ताजा हैं।

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

बॉलीवुड की आइकॉनिक फिल्म रंगीला ने सोमवार को 30 साल पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर अभिनेत्री उर्मिला मातोंडकर ने पोस्ट के जरिए अपने दिल की बातें सोशल मीडिया पर शेयर कीं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो पोस्ट किया, जिसमें वह मशहूर गाने रंगीला रे पर डांस करती नजर आ रही हैं।

रंगीला के 30 साल पूरे,

अभिनेत्री ने याद किए पुराने दिन, कहा, यह एक एहसास

उर्मिला ने वीडियो के कैप्शन में लिखा, रंगीला... ये सिर्फ एक फिल्म नहीं थी, बल्कि एक एहसास थी, और आज भी रहेगी। ये खुशी, उम्मीद, सपने, महत्वाकांक्षा, सुंदरता, जोश, प्यार, प्रशंसा, संघर्ष, जीत, त्याग और सबसे बढ़कर, जिंदगी का एक शानदार जश्न था।

अभिनेत्री ने बताया कि इसका हर एक सीन मासूम बच्चे जैसी चेहरे पर मुस्कान लाता है, जो कि हमें एक जादुई दुनिया में ले जाता है। इसका हर एक गाना सिर्फ संगीत ही नहीं बल्कि, नवरसों का उत्साह है। भारतीय साहित्य और कविता के नौ भाव श्रृंगार, हास्य, करुणा, रौद्र, वीर, भयानक, बीभत्स, अद्भुत और शांत। अभिनेत्री ने लिखा, ष्इस फिल्म की कहानी मासूम लड़की की यात्रा है, जो अपनी सादगी और आकर्षण से सबके दिल जीत लेती है। वो हमें सुंदरता, कविता, जिंदगी और प्यार की एक अनमोल यात्रा पर ले जाती है। उन्होंने लिखा, तीस साल पहले आज ही के दिन श्रंगीला आप सबकी हो गई थी। मुझे यकीन है कि आज भी यह फिल्म आपको उस पहले पल में ले जाती है, जब आप हंसे, तालियां बजाईं और इसके जादू से प्यार कर बैठे थे। आपके प्यार, तारीफ और सराहना मेरी जिंदगी की

उर्मिला के इर्द-गिर्द घूमती रही फिल्म की कहानी

मुझे अपने दिलों में जगह देने के लिए, इतना प्यार देने के लिए, और मुझे उस जगह पर पहुंचाने के लिए शुक्रिया, जिसका सपना बहुत कम लोग देख पाते हैं। हो जा रंगीला रे। राम गोपाल वर्मा द्वारा निर्देशित फिल्म में उर्मिला के अलावा, आमिर खान और जैकी श्रॉफ मुख्य भूमिका में थे। फिल्म की कहानी उर्मिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक मशहूर अभिनेत्री बनने का सपना देखती है, लेकिन उसे इस राह में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

निया का नया लुक देख मर मिटे फैंस, ऑल-ब्लैक गेटअप में दिखीं खूबसूरत

मुंबई। टेलीविजन की जानी-मानी अभिनेत्री निया शर्मा अपने स्टाइलिश लुक्स और आत्मविश्वास भरे अंदाज के लिए जानी जाती हैं। उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें पोस्ट कीं। निया ने तस्वीरों में फैशन सेंस और ट्रेंडी लुक को बखूबी दर्शाती नजर आ रही हैं। निया ने इंस्टाग्राम स्टोरीज सेक्शन पर दो तस्वीरें पोस्ट कीं। इन तस्वीरों में वह ऑल-ब्लैक गेटअप में नजर आ रही हैं, जो उनकी बोल्ड और स्टाइलिश पर्सनैलिटी को उभार रहा है। पहली तस्वीर में निया ने ब्लैक टॉप के साथ स्टाइलिश काले चश्मे पहने हैं,

जिसमें वह हल्की-सी मुस्कान के साथ सेल्फी लेती दिख रही हैं। उनके खुले बाल और मिनिमल मेकअप ने लुक को और भी आकर्षक बनाया है। दूसरी तस्वीर में निया ने अपनी सैंडल की झलक दिखाई। निया शर्मा टेलीविजन इंडस्ट्री में अपनी दमदार एक्टिंग, बोल्ड लुक्स और बेबाक बयान के लिए मशहूर हैं। उन्होंने अभिनय की शुरुआत साल 2010 में आए शो काली- एक अग्निपरीक्षा से की थी।

मेट्रो बाजार

लग्जरी कार निर्माता लेक्सस इंडिया ने गाड़ियों की कीमत 20.8 लाख रुपए तक घटाई

नई दिल्ली। लग्जरी कार निर्माता लेक्सस इंडिया ने सोमवार को जीएसटी की दरों में कटौती का फायदा ग्राहकों को देते हुए कीमतों को 20.8 लाख रुपए तक घटाने का ऐलान किया। नई कीमतें 22 सितंबर से लागू होंगी, जिस दिन जीएसटी की नई दरें लागू हो रही हैं। जापानी लग्जरी कार कंपनी ने अलग-अलग मॉडल्स पर कीमतें करीब 1.5 लाख रुपए से लेकर 20.8 लाख रुपए तक घटाई हैं। एंट्री लेवल की ईएस 300एच सेडान अब 1.47 लाख रुपए तक सस्ती हो गई है, जबकि लोकप्रिय एनएक्स 350एच एसयूवी की कीमत में 1.58 लाख रुपए तक की कमी आई है। कंपनी की आरएक्स रेंज में आरएक्स 350एच की कीमत 2.1 लाख रुपए तक और आरएक्स 500एच की कीमत 2.58 लाख रुपए तक कम हो गई है। कंपनी ने अपर सेगमेंट की लग्जरी गाड़ियों पर भी भारी छूट मिल रही है। एलएम 350एच की कीमत अब 5.77 लाख रुपए तक कम हो गई है, जबकि फ्लैगशिप एलएक्स 500डी एसयूवी 20.8 लाख रुपए तक सस्ती हो गई है। यह जीएसटी 2.0 लागू होने के बाद भारत के लग्जरी कार सेगमेंट में कीमतों में हुई सबसे बड़ी कटौती में से एक है। इस घोषणा पर टिप्पणी करते हुए, लेक्सस इंडिया के अध्यक्ष हिकारू इकेउची ने कहा कि कंपनी इस सुधार का पूरा लाभ अपने ग्राहकों तक पहुंचाने से खुश है। उन्होंने कहा, ÷यह पहल सुगमता को बढ़ाती है और लग्जरी मोबिलिटी क्षेत्र में अधिक विश्वास पैदा करती है।

भारत और इजरायल के बीच द्विपक्षीय निवेश समझौता हुआ, व्यापार को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली। भारत और इजराइल ने सोमवार को एक ऐतिहासिक द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईए) पर हस्ताक्षर किए, जिसका उद्देश्य पारस्परिक निवेश को मजबूत करना और दोनों देशों के बीच व्यापार संबंधों का विस्तार करना है। इस समझौते को राष्ट्रीय राजधानी में भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजरायल के वित्त मंत्री बेजेल स्मोट्रिच द्वारा साइन किया गया है। इस समझौते के साथ इजराइल, भारत के नए मॉडल संधि ढांचे के तहत निवेश समझौते पर हस्ताक्षर करने वाला पहला आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (ओईसीडी) सदस्य देश बन गया है। इससे पहले भारत संयुक्त अरब अमीरात (यूएई)और उज्बेकिस्तान के साथ भी इस तरह का समझौता कर चुका है। इस समझौते पर इजरायल के वित्त मंत्री स्मोट्रिच ने कहा, यह एक रणनीतिक कदम है जो इजराइली और भारतीय निवेशकों, दोनों के लिए नए द्वार खोलेगा, इजराइली निर्यात को मजबूत करेगा और दोनों पक्षों के व्यवसायों को दुनिया के सबसे तेजी से बढ़ते बाजारों में विकास के लिए निश्चितता और साधन प्रदान करेगा। उन्होंने आगे कहा, भारत एक उभरती हुई आर्थिक शक्ति है और इसके साथ सहयोग इजराइल के लिए एक बड़ा अवसर है। इजरायली मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, स्मोट्रिच इजरायल के सरकारी प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं जो दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए रविवार रात भारत के लिए रवाना हुआ। इस प्रतिनिधिमंडल में मंत्रालय के मुख्य अर्थशास्त्री शमूएल अब्रामजोन, महालेखाकार याली रोथेनबर्ग और महानिदेशक इलान रोम शामिल हैं।

अनोखा सेतु: एक ही ब्रिज पर सड़क व रेल मार्ग

ओरेसंड ब्रिज डेनमार्क और स्वीडन के बीच फैला एक आश्चर्यजनक केबल-स्टे ब्रिज है, जो सड़क और रेलवे दोनों के लिए एक साथ कार्य करता है। यह पुल लगभग 8 किलोमीटर लंबा है। यह संरचना न केवल दो देशों को जोड़ती है, बल्कि यह मध्य और पश्चिमी यूरोप को स्कैंडिनेवियाई प्रायद्वीप से सड़क और रेल के माध्यम से जोड़ने का माध्यम भी बनती है।

अमेरिका को लेकर चीनी राजदूत का बड़ा बयान

भारत और चीन मिलकर मुकाबला करेंगे, दोनों की आबादी 2.8 अरब

नई दिल्ली, एजेंसी

चीनी राजदूत जू फेइहोंग ने कहा है कि भारत और चीन को मिलकर अमेरिका की ट्रंप सरकार द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ का सामना करना चाहिए, क्योंकि यह अनुचित और गलत है। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को अपनी आर्थिक साझेदारी को और मजबूत करना चाहिए, ताकि इस चुनौती से निपटा जा सके। नई दिल्ली में चीन की जापान पर जीत की 80वीं वर्षगांठ पर राजदूत ने भारत-चीन सीमा विवाद पर भी बात की और कहा कि दोनों देशों के बीच इस मुद्दे पर महत्वपूर्ण सहमति बनी है। उन्होंने संकेत दिया कि भारत-चीन संबंध किसी तीसरे देश (पाकिस्तान) से प्रभावित नहीं हुए हैं।

व्यापार में सभी को फायदा होना चाहिए

जू ने अमेरिका की टैरिफ नीति की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा, अमेरिका टैरिफ को हथियार की तरह इस्तेमाल कर रहा है। यह अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए गलत है। व्यापार में सभी को फायदा होना चाहिए, लेकिन अमेरिका अब भारत पर 50 प्रतिशत तक टैरिफ थोप रहा है, जो बिल्कुल अनुचित है। उन्होंने भारत और चीन से इस खतरे का

मिलकर मुकाबला करने की अपील की। उन्होंने कहा, हमारे पास 2.8 अरब की आबादी है। हमारी अर्थव्यवस्थाएं और बाजार बहुत बड़े हैं। हमारे लोग मेहनती हैं और हमारी अर्थव्यवस्थाएं एक-दूसरे की पूरक हैं। हमें आर्थिक और व्यापारिक सहयोग को बढ़ाना चाहिए।

मोदी-जिनपिंग की मीटिंग का किया जिक्र

चीनी राजदूत ने अगस्त में एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मुलाकात का जिक्र किया। उन्होंने कहा, राष्ट्रपति शी ने कहा कि भारत और चीन दोनों उभरती हुई बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। हमें विकास पर ध्यान देना चाहिए और एक-दूसरे का साथ देना चाहिए। पीएम मोदी ने भी कहा कि भारत-चीन का सहयोग 21वीं सदी को सही मायनों में एशियाई सदी बनाएगा। आतंकवाद के मुद्दे पर राजदूत ने कहा कि भारत और चीन दोनों इसकी मार झेल चुके हैं। उन्होंने कहा, हम आतंकवाद के हर रूप के खिलाफ हैं। भारत के साथ मिलकर हम वैश्विक और क्षेत्रीय शांति के लिए काम करने को तैयार हैं।

विकास और आपसी सहयोग पर जोर

जू ने कहा कि भारत और चीन दोनों ही विकास के महत्वपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं। उन्होंने कहा, हमें अपने संसाधनों का इस्तेमाल राष्ट्रीय विकास के लिए करना चाहिए। हम एक-दूसरे का समर्थन करें, साथ मिलकर प्रगति करें और एक-दूसरे की सफलता में मदद करें। उन्होंने भारत से चीनी कंपनियों के लिए निष्पक्ष और भेदभाव-रहित कारोबारी माहौल की उम्मीद जताई। साथ ही, उन्होंने भारतीय कंपनियों को चीन में निवेश और अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए आमंत्रित किया।

ग्रीस में 4 बच्चों वालों के लिए जीरो टैक्स

ग्रीस, एजेंसी

भारत और चीन जैसे देशों में जहां आबादी 140 करोड़ है, वहीं यूरोपीय देशों में बुजुर्ग होती आबादी बड़ी समस्या बनी हुई है, जिसकी वजह से सरकार ऐसे लुभावने ऑफर दे रही है। दक्षिण पूर्वी यूरोपीय देश ग्रीस घटती जनसंख्या से परेशान है। ऐसे में सरकार उन लोगों को टैक्स से राहत दे रही है, जिनके घर में 4 बच्चे हैं। ग्रीस सरकार ने हाल ही में 1.6 बिलियन (लगभग 1.4 अरब) की राहत योजना की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य देश में घटती जनसंख्या और तेजी से बढ़ती वृद्धावस्था की समस्या से निपटना है। प्रधानमंत्री किरियाकोस मित्सोटाकिस ने इसे 50 वर्ष में सबसे बड़ा टैक्स सुधार बताया है।

2026 से नियम लागू...

सरकार का कहना है कि ग्रीस में जन्म दर यूरोप में सबसे कम हो चुकी है। यहां प्रति महिला केवल 1.4 बच्चे हैं। अगर यही जारी रहा, तो 2050 तक देश की जनसंख्या घटकर 8 मिलियन से भी कम हो सकती है और 36 फीसदी आबादी बूढ़ी हो सकती है। जनसंख्या आंकड़ों के हिसाब से भूमध्यसागरीय देश ग्रीस यूरोप का सबसे बुजुर्ग देश बनने के कगार पर है।

सीएम योगी ने उठाया मुद्दा, पुलिस ने दर्ज किया केस

यूपी में एक व्यक्ति के नाम पर 6 जगह नौकरी

लखनऊ, एजेंसी

उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग में 2016 में एक्स-रे टेक्नीशियन के पद पर भर्ती हुए एक व्यक्ति द्वारा एक ही नाम से छह विभिन्न जिलों बलरामपुर, फर्रुखाबाद, रामपुर, बांदा, अमरोहा और शामली जिलों में नियुक्तियां हुईं और सभी जिलों से वेतन भी उठाया। जिससे राज्य को राजस्व की हानि हुई। मामला सामने आने के बाद इस धोखाधड़ी के मामले में लखनऊ में मुकदमा दर्ज किया गया है। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में निदेशक (पराचिकित्सा) डॉ. रंजना खरे द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत में कहा गया है कि आरोपी ने कथित तौर पर जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर अर्पित सिंह नामक अभ्यर्थी बनकर नौकरी हासिल की। अर्पित सिंह का नाम उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा 2016 में घोषित भर्ती सूची में क्रमांक 80 पर था।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि धोखाधड़ी और जालसाजी के इस मामले में मुकदमा दर्ज करके जांच शुरू कर दी गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा कनिष्ठ सहायक और एक्स-रे टेक्नीशियनों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में उजागर किया था।

प्रोस्टेट कैंसर-फेफड़ों और थायरॉइड कैंसर में होगी कारगर

कैंसर के इलाज के लिए रोबॉटिक बायोप्सी जल्द

लखनऊ, एजेंसी

किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी (केजीएमयू) में कैंसर का इलाज अत्याधुनिक तकनीक पीईटी/सीटी-निर्देशित रोबॉटिक बायोप्सी से होगा। इसकी मदद से शरीर में मौजूद कैंसरग्रस्त गांठ या संदिग्ध हिस्से से बेहद सटीक तरीके से ऊतक का नमूना निकाला जा सकेगा। न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के स्थापना दिवस पर सोमवार को आयोजित कार्यक्रम में यह जानकारी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रकाश सिंह ने दी।

कमांड हॉस्पिटल के न्यूक्लियर मेडिसिन विभाग के प्रमुख डॉ. अनुराग जैन ने बताया कि पारंपरिक बायोप्सी में सीटी या अल्ट्रासाउंड के अनुसार सैंपल लिया जाता है। इसमें कई बार छोटे या गहराई में स्थित ट्यूमर छूट जाते हैं। पीईटी/सीटी-निर्देशित रोबॉटिक बायोप्सी में एटॉमिक इमेजिंग और रोबॉटिक तकनीक का मेल होता है। इससे उच्च चयापचय गतिविधि वाले घावों का पता लगाकर रोबॉटिक आर्म बेहद सटीक तरीके से सुई पहुंचाता है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह तकनीक खासतौर पर प्रोस्टेट कैंसर , फेफड़ों, न्यूरोएंडोक्राइन ट्यूमर और थायरॉइड कैंसर जैसे मामलों में अत्यधिक कारगर होगी। पेट सिटी के साथ ही रोबॉटिक बायोप्सी होती है।

सिर्फ 10 हजार में होगी जांच

केजीएमयू में यह जांच महज 10 हजार में होगी। निजी अस्पतालों में अब तक यह सुविधा उपलब्ध नहीं है। वहीं, प्रदेश में केवल पीजीआई में ही सुविधा है। ऐसे में केजीएमयू में सुविधा शुरू होने से मरीजों को काफी राहत मिलेगी। हालांकि मैनपॉवर कम होने से सुविधा शुरू होने में दो महीने लग सकते हैं।

फिजियोथेरेपी से तेज होती है रिकवरी

हड्डियों और जोड़ों से जुड़ी बीमारियों में फिजियोथेरेपी की भूमिका लगातार बढ़ रही है। इससे न केवल मरीजों को ऑपरेशन के बाद होने वाली विकृतियों से बचाना आसान हो गया है, बल्कि उनके जल्द स्वस्थ होने की संभावना भी बढ़ जाती है। ये बातें केजीएमयू के फिजिकल मेडिसिन ऐंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग के डॉ. अरविंद सोनकर ने कहीं। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में डॉ. सोनकर ने बताया कि फिजियोथेरेपी मरीजों को दर्द से राहत दिलाने, चोट और सर्जरी के बाद तेजी से सुधार, शारीरिक गतिशीलता, संतुलन सुधारने में मददगार साबित होती है। कार्यक्रम में मनमोहन, मानवेन्द्र सिंह, प्रणय सिंह, रविन्द्र गौतम, श्रद्धा वर्मा, हर्षिका श्रीवास्तव, आकांक्षा समेत कई फिजियोथेरेपिस्ट मौजूद रहे।

शुभमन गिल मना रहे हैं आज अपना जन्मदिन

सचिन की बेटी सारा के साथ ही कई एक्ट्रेस से भी जुड़ता रहा है नाम

मुंबई, एजेंसी

भारतीय टेस्ट क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल का आज यानी कि 8 सितंबर को जन्मदिन है। शुभमन गिल ने बहुत ही कम समय में क्रिकेट के तमाम बड़े रिकॉर्ड्स को तोड़ा है। गिल मैदान पर जितना अच्छा खेलते हैं उससे कहीं ज्यादा चर्चा उनकी निजी जिंदगी को लेकर होती है। सोशल मीडिया पर उनके रिश्तों को लेकर खूब बातें होती हैं। उनके फैंस हमेशा यह जानने के लिए उत्सुक रहते हैं कि वे किसे डेट कर रहे हैं। हालांकि ज्यादातर रिश्ते सिर्फ अफवाहें ही साबित होती हैं। इस रिपोर्ट में हम उन 3 लड़कियों की बात करने वाले हैं जिनका नाम शुभमन गिल के साथ जुड़ा है।

सारा तेंदुलकर के साथ जुड़ा नाम: सबसे ज्यादा चर्चा सारा तेंदुलकर के साथ उनके रिश्ते को लेकर हुई। लोगों ने सोशल मीडिया पर कई तरह की बातें कीं। कुछ लोगों ने कहा कि शुभमन और सारा दोनों ने एक ही समय पर इंस्टाग्राम पर एक जैसे कैप्शन वाली पोस्ट डाली थीं। इस तरह की छोटी-छोटी बातों को भी लोगों ने खूब उछाला। शुभमन और सारा के प्रशंसकों ने इंस्टाग्राम पर उनकी गतिविधियों पर ध्यान रखा। उन्होंने देखा कि दोनों एक-दूसरे की पोस्ट को लाइक और कमेंट करते थे। मीडिया ने भी दोनों को कई बार साथ में देखा। हालांकि, उनकी कोई तस्वीर सामने नहीं आई।

अनन्या और जान्हवी के नाम भी: कुछ फैंस ने तो शुभमन गिल को जान्हवी कपूर और अनन्या पांडे जैसी युवा अभिनेत्रियों के साथ भी जोड़ दिया है। लेकिन ये सिर्फ फैंस की कल्पनाएं हैं सच्चाई नहीं। शुभमन गिल ने इंटरव्यू के दौरान हमेशा अपनी निजी जिंदगी के बारे में बात करने से परहेज किया है। एक टॉक शो में सोनम बाजवा ने उनसे सारा तेंदुलकर के बारे में बात करते हुए मजाक भी किया था।

सारा अली खान के साथ चर्चा: सारा तेंदुलकर के बाद सारा अली खान के साथ भी शुभमन गिल का नाम जोड़ा गया। एक वीडियो में दोनों को एक रेस्टोरेंट में साथ में देखा गया था। इसके बाद सोशल मीडिया पर तहलका मच गया। लोग हैरान थे कि अब ये कौन सी सारा आ गई। लोग मजाक कर रहे थे कि उनके जीवन में हमेशा कोई न कोई सारा आती रहती है। कुछ लोग यह जानने के लिए उत्सुक थे कि क्या यह डेट थी या सिर्फ एक कैजुअल मुलाकात।

अयोध्या में बनेगा नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड

26 लाख से अधिक दीपों से जगमगाएगी रामनगरी

लखनऊ, एजेंसी

रामनगरी अयोध्या में वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी की जा रही है। पर्यटन विभाग द्वारा सरयू तट, राम की पैड़ी सहित अन्य घाटों पर दीयों की श्रृंखला से अलौकिक दृश्य प्रस्तुत किया जाएगा। इस वर्ष 26 लाख से अधिक दीयों के साथ गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने की तैयारी है। रामनगरी का दीपोत्सव एक बार फिर अपना ही रिकॉर्ड तोड़ेगा। पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि विभाग की तैयारियां तेजी से चल रही हैं। अयोध्या में 2017 से भव्य और दिव्य दीपोत्सव मनाया जा रहा है। इसे बरकरार रखते हुए दीपोत्सव में भी सरयू नदी पर सबसे बड़े दीप जलाने व सबसे बड़े आरती समारोह का आयोजन होगा। वहीं सरयू तट पर अब तक की सबसे बड़ी आरती का आयोजन भी होगा, जिसमें 1100 से अधिक धर्माचार्य, संत-महात्मा और नगरवासी शामिल होंगे।

वायरल पोस्ट - सोशल मीडिया

पारसी फिरोज के बारे में दशकों से झूठ फैलाया गया कि वे मुस्लिम थे

पुण्यतिथि : पहले व्हिसलब्लोअर थे फिरोज गांधी जिन्हें भुला दिया गया

आज 9 सितम्बर को फ़िरोज़ गांधी की पुण्यतिथि है। फ़िरोज़ गांधी जिन्हें हम अक्सर केवल नेहरू के दामाद, इंदिरा गांधी के पति, राजीव गांधी के पिता और राहुल-वरुण गांधी के दादा के रूप में जानते हैं। वरुण गांधी का पूरा नाम भी दरअसल फ़िरोज़ वरुण गांधी है। (हालांकि राहुल गांधी अपने दादा के रूप में कभी उनका नाम नहीं लेते और उनकी जगह नेहरू को ही रखते है।)

लेकिन दशकों से इनके बारे में झूठ फैलाया गया कि वे फ़िरोज़ खान थे, मुस्लिम थे और गांधी सरनेम उन्हें महात्मा गांधी ने दिया था। यह झूठ एक राजनीतिक रणनीति के तहत फैलाया गया ताकि लोगों को लगे कि गांधी परिवार मुस्लिम है और इसलिए राष्ट्रहित का नहीं हो सकता।

पहली बात-मुस्लिम होना कोई गुनाह नहीं है।

लेकिन यह झूठ सिर्फ़ इसलिए फैलाया गया ताकि एक पूरे परिवार और एक पूरे पारसी समुदाय को बदनाम किया जा सके।

पारसी कौन हैं? : फ़िरोज़ गांधी न तो खान थे, न मुसलमान। वे पारसी थे। पारसी वे ज़रथुष्ट्र धर्मावलंबी लोग थे जो 10वीं शताब्दी में मुस्लिम

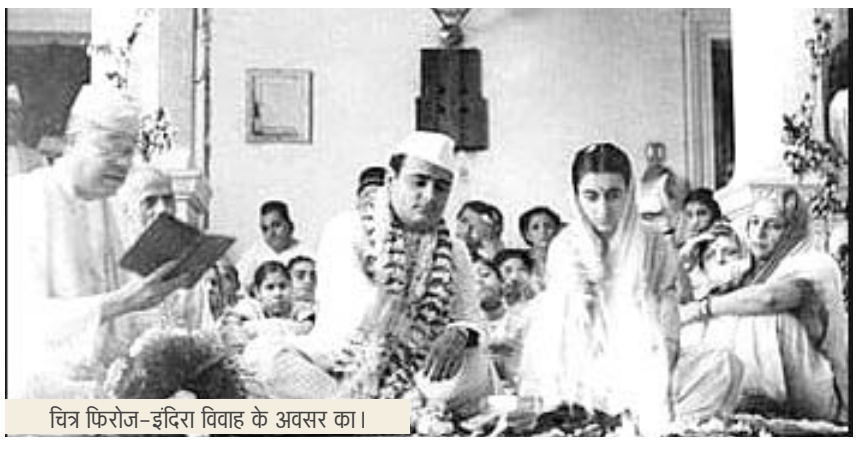

चित्र फिरोज-इंदिरा विवाह के अवसर का।

आक्रमणों से बचकर फारस (ईरान) से भागकर भारत आए और गुजरात में शरण ली। उन्होंने 200 साल तक अरब आक्रमणकारियों से संघर्ष किया। अंतत: हारकर कुछ ने इस्लाम स्वीकार किया और आज के ईरानी मुसलमान बने, लेकिन जिन्होंने धर्म बदला नहीं, वे भारत आकर पारसी कहलाए। उनके नाम भी विशिष्ट होते हैं जमशेद, दारा, शाहरुख़, बोमन जो अरब मुस्लिमों से अलग पहचान रखते हैं। पारसी सरनेम भी अक्सर पेशे से जुड़े होते हैं: बाटलीवाला, स्क्रूवाला, गादीवाला, डॉक्टर, मर्चेंट, और गांधी (गन्ध/परफ्यूम बेचने वाला)।

ध्यान रहे-पारसी धर्म में पैदा होना पड़ता है, धर्मांतरण से कोई पारसी नहीं बन सकता। विवाह करने पर भी पति/पत्नी पारसी नहीं बनते। आज पूरी दुनिया में मुश्किल से 1 लाख पारसी बचे हैं, जिनमें से 70,000 भारत में और लगभग 60,000 सिर्फ़ मुंबई और गुजरात में रहते हैं। इसीलिए उत्तर भारत में पारसी समुदाय के बारे में लोग बहुत कम जानते हैं।

इनका योगदान देखिए: व्यापार में- जमशेदजी टाटा, गोदरेज, नेविल वाडिया, साइरस मिस्त्री। स्वतंत्रता आंदोलन में-दादाभाई नौरोजी, फिरोज़शाह मेहता, मैडम भिकाजी कामा। सेना में-जनरल सैम मानेकशॉ। विज्ञान में- होमी भाभा। कला-सिनेमा में-सोहराब मोदी, बोमन इरानी, फ्रेडी मरकरी (फारुख बलसारा)। अब सोचिए-फ़िरोज़ गांधी जैसे व्यक्ति को मुसलमान खान साबित करने का मतलब क्या है?

फ़िरोज़ गांधी का असली जीवन: फ़िरोज़ गांधी का जन्म 12 सितम्बर 1912 को मुंबई में पारसी दंपति जहांगीर गांधी और रतिमाई गांधी के यहाँ हुआ। किशोरावस्था में वे अपनी मौसी शिरीन कोमीसारियात (इलाहाबाद की डॉक्टर) के पास रहने लगे और वहीं से आज़ादी के आंदोलन में कूद पड़े। 1930 में जब कमला नेहरू धूप में गिर पड़ीं तो फ़िरोज़ उनकी मदद को आगे आए। फिर वे जवाहरलाल नेहरू और कांग्रेस के और निकट हुए। गांधीजी से भी मिले। गांधीजी ने उनके बारे में कहा था-अगर ऐसे 10 नौजवान मुझे मिल जाएँ तो मैं एक हफ्ते में देश को आज़ाद कर दूँ। 1942 में उनका विवाह इंदिरा नेहरू से हुआ, वह भी हिंदू वैदिक रीति से। नेहरू जी इस विवाह के खिलाफ़ थे, लेकिन इंदिरा और फ़िरोज़ साथ रहे और आगे चलकर उनके दो बेटे हुए-राजीव और संजय।

पहला व्हिसलब्लोअर: संसद का शेर

आज लोग भूल चुके हैं, लेकिन फ़िरोज़ गांधी ही वह पहले सांसद थे जिन्होंने आज़ादी के बाद संसद में घोटालों के खिलाफ़ आवाज़ उठाई। मुंदरा कांड (LIC से 1.24 करोड़ रुपये लेकर डूबती कंपनियों के शेयर खरीदना)। फ़िरोज़ गांधी ने यह घोटाला उजागर किया, जिसके बाद तत्कालीन वित्त मंत्री टी.टी. कृष्णामचारी को इस्तीफ़ा देना पड़ा और मुंदरा जेल गया। फ़िरोज़ गांधी सिर्फ़ नेहरू के दामाद नहीं थे। वे भारत के पहले बड़े व्हिसलब्लोअर थे, जिन्होंने सत्ता के सामने झुकने से इंकार किया। उनका अपमान करके लोग सिर्फ़ गांधी परिवार को नहीं, बल्कि पूरे मेहनती और सम्मानित पारसी समुदाय को गाली देते हैं, जिसने भारत को उद्योग, सेना, विज्ञान, कला हर क्षेत्र में गौरव दिया है।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया** **स्थानीय संपादक अनिल शर्मा*** आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-4917524, 2972022